RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 अंक : 126 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 28 अप्रैल, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

'मुगलों को शहजादे गाली नहीं देते'

कर्नाटक चुनाव प्रचार में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। आज यहां उनकी 4 रैली है। सबसे पहले वह बेलगावी में उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'कर्नाटक के सभी वोटर का अभिनंदन कर्नाटक में जहां-जहां गया सिर्फ एक स्वर सुनाई देता है फिर एकबार मोदी सरकार।

उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा ईबीएम के बहाने कांग्रेस ने भारत के लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश की। 10 साल में भारत और शक्तिशाली हुआ भारत की पहचान लोकतंत्र के मां के रूप में होने लगी है। 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। भारत जब आगे बढता है हर भारतवासी को गर्व होता है। कांग्रेस देशहित से इतनी दूर हो चुकी है परिवार हित में इतना खो चुकी है की देश की तरक्की अच्छी नहीं लगती। भारत की हर सफलता पर कांग्रेस को शर्म आने लगी है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के शहजादे पाप को आगे बढ़ा रहे हैं उनका राजपूतों पर जो बयान दिया सबने सुना। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति शिवराज, चित्रमा महारानी जैसे महान लोगों का अपमान किया जिनकी देशभक्ति आज भी हमे प्रेरित करती है। यह सोच समझकर तुष्टीकरण की राजनीति के लिए दिया गया बयान है। राजा महाराज को तो बुरा कह दिया लेकिन बादशाहों, सुलतान के अत्याचारो पर शहजादे के मुंह पर ताला लग जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि जिन्होनें हमारी मंदिरो को तोड़ा अपमान किया वे उस औरंगेजब के गुणगान करने वालो के साथ हाथ मिलाते हैं। गौ हत्या, लुटपाट करने वाले नवाब शहजादे को वो याद नहीं आए जिन्होने भारत के विभाजन में बहुत बड़ी भुमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा कि कानून व्यवस्था बद से बदतर हो रही है। यहां बेलगावी में एक बहन के साथ जो हुआ और जैन मुनी के साथ जो हुआ शर्मसार करने वाला है। हुगली में हमारी एक बेटी के साथ जो हुआ उसने पूरे देश में भूचाल ला दिया। बैंगलुरू के कैफे में बम धमका हुआ तो उसे भी गंभीरता से नहीं लिया गया।

धधकते जंगलों में पर्यावरण को भारी नुकसान

उत्तराखण्ड (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से जंगलों में भीषण आग धधक रही है। जिससे वन संपदा के साथ ही जंगली जानवरों पक्षियों के रैन बसेरे उजड़ रहे हैं। जान भी खतरे में पड़ गई है। यह आग इतनी तेजी से फैल रही है कि रिहायशी इलाके तक आ पहुंची है। ऐसे में वन विभाग समेत अन्य प्रशासनिक विभाग आग बुझाने में जुटे हुए हैं। अब पुलिस ने रुद्रप्रयाग में 19 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और 3 को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि हल्द्वानी में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड में जंगलों में आग लगने की वजह से बहुमूल्य वन संपदा खाक हो रही है। जीव जंतु भी अपनी जान गंवा रहे हैं। इसके बावजूद भी कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। रुद्रप्रयाग में भी वन विभाग की टीम ने 3 लोगों को रंगे हाथ जंगल में आग लगाते हुए पकड़ा है। उन्हें पुलिस के हवाले कर जेल भेज दिया गया है।

कुमाऊं समेत पूरे प्रदेश में जंगलों की आग ने पूरे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। जंगली जानवरों से लेकर आम इंसानों तक को धुएं की वजह से सांस लेना मुश्किल हो रहा है। वन्य जीव वनाग्नि की वजह से जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। कई गांवों में तो आबादी तक जंगल की आग पहुंच गई है। पिछले एक माह के दौरान जंगलों में आग की घटनाओं ने तेजी पकड़ी है।

एक अप्रैल से लेकर आज तक पूरे प्रदेश में 559 वनाग्नि की घटनाएं हुई। इनमें कुमाऊं की 318 घटनाएं भी शामिल है। इस दौरान पूरे प्रदेश में 689 हेक्टेअर वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। जलते जंगलों से पर्यावरण विद के साथ ही स्थानीय निवासी और सरकार तक चिंतित है।

नैनीताल वन प्रभाग में 28 घटनाएं हल्द्वानी। नैनीताल जिले के अंतर्गत नैनीताल वन प्रभाग समेत छह वन प्रभाग आते हैं। इन प्रभागों के अंतर्गत आने वाले जंगलों में 15 फरवरी से अब तक 76 घटनाएं हुई है। इसमें करीब 91 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वन संपदा को नुकसान पहुंचा। इसमें भी सर्वाधिक घटना नैनीताल वन प्रभाग में हुई है। इस प्रभाग में संबंधित अवधि में 28 वनाग्नि की घटना हुई है। इसके अलावा पिथौरागढ़ जनपद में 69, बागेश्वर में 11, चंपावत में 37, अल्मोड़ा 43 और ऊधम सिंह नगर में 41 घटनाएं हुई हैं।

डीएम वंदना ने बताया कि एयरफोर्स लड़ियाकांटा में अपने उपकरणों के फायर से बचाव के लिए एयरफोर्स की ओर से विभिन्न झीलों से पानी लेने की अनुमति मांगी गई थी। एयरफोर्स ने भीमताल झील से ही पानी लिया है। हेलीकॉप्टर से फायर फाइटिंग में ज्यादा सफलता मिलती है जहां धुएं से विजिबिलिटी प्रभावित न हो रही हो। एयरफोर्स स्टेशन के बाहर शुक्रवार रात लगभग 70 लोग और शनिवार को हेलीकाप्टर के साथ-साथ करीब 50 लोग ग्राउंड पर काम रहे थे। भवाली के पाइंस-लडियाकांटा एरिया में हेलीकॉप्टर के साथ-साथ ग्राउंड पर फॉरेस्ट की टीम ने अभियान चलाया और जंगल में आग पर काबू पाने में मदद मिली।

धधकते रहे बेतालघाट और ओखलकांडा के जंगल

बेतालघाट ब्लॉक के हरोली, मझेड़ा, मल्ला डोबा, सिमलखा के जंगल कल सुबह से आगे धधकते रहे। वहीं ताडीखेत ब्लॉक के ज्याड़ी में लगी आग आबादी तक पहुंच गई। देर शाम तक जंगलों में लगी आग नहीं बुझ पाई थी। इधर, ओखलकांडा के जंगल भी लगातार आग से धधकते रहे। ओखलकांडा में सड़क किनारे के पेड़ आग लगने से सड़क पर गिरते रहे। इससे सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। ओखलकांडा के ब्लॉक प्रमुख कमलेश कैड़ा ने हल्द्वानी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर जंगल में लग रही आग को बुझाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती करने की मांग की।

125 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप

पिथौरागढ़ में जंगलों में लगी आग से जला चीड़ का पेड़ बिजली की 33 केवी लाइन पर गिर गया। इससे लाइन टूट गई, जिससे क्षेत्र के 125 गांवों की विद्युत आपूर्ति भंग हो गई है। रविवार को आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद है। जंगलों में आग लगने से चीड़ के पेड़ सुलग रहे हैं। यह पेड़ धराशायी होने पर बिजली की लाइनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

प्राधिकरण ने हटाया 7 करोड़ की जमीन से अवैध अतिक्रमण

गुलावली गांव में सड़क नहीं बनने दे रहे थे भू-माफिया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने गुलावली गांव में भू-माफियाओं के चंगुल से 7 करोड रुपए की 1500 वर्ग मीटर से अवैध आक्रमण हटाया।

नोएडा के अधिकारियों ने बताया कि गुलावली गांव के कुछ भू-माफियाओं ने खसरा संख्या-581 में अवैध रूप से निर्माण कर लिया था। जिसके कारण सेक्टर-164 तथा सेक्टर-161 के बीच गुजरने वाली 30 मीटर की सड़क का निर्माण कर बाधित था। यह सड़क सेक्टर-164 की औद्योगिक भूखंडों को जोड़ने के लिए बनी थी, लेकिन घुमा फियोन के कारण सड़क के निर्माण में बाधा आ रही थी। नोएडा प्राधिकरण की वर्क सर्किल-9 की टीम तथा भूलेख विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर सभी अवैध निर्माण ध्वज कर दिए तथा जमीन को आक्रमण से मुक्त करा लिया।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि नोएडा में जहां कहीं भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण पाया गया उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा ऐसे भू-माफियाओं को चिन्हित करके उनके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जहां भी अतिक्रमण हो भू-माफिया स्वयं अतिक्रमण हटा लें वरना उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीएमआरसी ने एनएमआरसी के साथ मिलकर किया नया रूट तैयार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक एक्वा मेट्रो का विस्तार होना है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने दोनों मेट्रो लाइन की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी के लिए शासन के पास भेज चुकी है।

लोकसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के बाद इसके निर्माण में तेजी आएगी। बता दें कि नोएडा से ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन का सफर आरामदायक बनाने के लिए आने वाले समय में एक्वा मेट्रो की दो लाइन पर कार्ययोजना प्रस्तावित हैं।

सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन रूट को वर्ष 2019 में यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। कुछ वजह से केंद्र सरकार से इसको अनुमति नहीं मिली।

इसके बाद फिर से डीएमआरसी ने एनएमआरसी के साथ मिलकर नया रूट तैयार किया। इसके बाद इसकी डीपीआर तैयार की। करीब दो माह पहले एनएमआरसी ने अपनी बोर्ड बैठक में डीपीआर को मंजूरी देकर शासन के पास भेज दिया है।

यूपी से मंजूरी होने के बाद इसको केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। इसी तरह सेक्टर-142 से सेक्टर-38 ए बॉटनिकल गार्डन तक मेट्रो चलनी है। इसकी डीपीआर को भी एनएमआरसी ने पिछले साल मंजूरी दे दी थी और शासन के पास भेजा। एनएमआरसी प्रबंधन के मुताबिक लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लगी हुई है।

चार जून के बाद यूपी सरकार से समन्वय कर इसको मंजूरी दिलाने की प्रक्रिया की जाएगी, ताकि लोगों को जल्द से जल्द इन रूट पर मेट्रो का फायदा मिल सके। प्राथमिकता के आधार पर सेक्टर-51 से ग्रेनो वेस्ट रूट पर मेट्रो चलाने की तैयारी है।

सेक्टर-65 में चमड़े की एक कंपनी में लगी भीषण आग

नोएड (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर 65 में स्थित एक बिल्डिंग में भीषण आग लगी। बिल्डिंग से आग की लपटे निकल रही थी। आग की लपटों को निकलते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना प्राप्त करते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। घटनास्थल पर पुलिस की टीम भी मौजूद पहुंची।

नोएडा के सेक्टर-65 में स्थित डी-41 अपोलो ग्रीन्स में स्थित चमड़ा की कंपनी की एक बिल्डिंग में आग लगी थी। मौके पर मौजूद नोएडा मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए कहा की सुबह 4.30 बजे कंपनी में आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर आग पर काबू पाने से पहले हाइटेंशन तारों को काटा गया। उन्होंने बताया कि कंपनी के पास कई हाइटेंशन तारे थी। घंटों के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया और पूरी तरह से बुझाया गया।

सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि कंपनी के बंद होने के कारण इसमें कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी के घायल होने की कोई खबर है। आग लगने के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

चुनाव ड्यूटी पर जा रहे सुरक्षा बलों की बस में ट्रक ने मारी टक्कर, दो की मौत, 12 घायल

गोपालगंज (एजेंसी)। गोपालगंज से सुपौल जा रही सुरक्षा बलों की तीन बसें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। हादसे में एक बस के ड्राइवर और कांस्टेबल की मौत हो गयी। वहीं 122 से ज्यादा जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक जवान की पहचान पवन कुमार के रुप में हुई है। मृतक जवान बगहा का निवासी था। बस दुर्घटना जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा मोड़ के पास एनएच-27 के पास की है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से पांच एंबुलेंस और डॉक्टरों की टीम को मौके पर भेजा गया है। हादसे के बाद सदर अस्पताल को अलर्ट करते हुए घायलों का इलाज के लिए एंबुलेंस अस्पताल लाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि पुलिस लाइन से तीन बसों में 242 महिला व पुरुष जिला बल के जवानों चुनाव की ड्यूटी कराने के लिए सुपौल जा रहे थे। सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा के पास पहुंचे ही थे कि इसी दौरान यह हादसा हुआ। रास्ते में बरहिमा मोड़ के पास बस रोककर सभी नाश्ता कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार में आई कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में अशोक उरांव और पवन महतो की हो गई। वहीं 12 दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हैं। बताया जा रहा की हादसा इतना दर्दनाक था कि दो बसों के बीच में एक जवान फंस गए हैं और उन्हें निकालने की कोशिश घंटे तक होती रही।

भारत विकास परिषद का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। भारत विकास परिषद नोएडा शाखा का अधिष्ठापन समारोह सिटी प्राइड बैंक्वेट नोएडा में संपन्न हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता ने वर्ष 2023 व 24 में किए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रांतीय अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा द्वारा 2024-25 की नई टीम के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल को शपथ दिलायी गई।

नवनियुक्त अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने आगामी वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी दी और बताया कि नोएडा आने वाले समय में एक कथा आयोजन करने का विचार है। मुख्य अतिथि डॉ महेश शर्मा भी उपस्थित थे। जिन्होंने परिषद के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। साथ ही पीआईएल मैन के रूप में जाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जाने माने अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने कई विषयों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विपिन मलहन, पंकज जिंदल, प्रताप मेहता, केशव गंगल, मनोज गोयल, गोपाल अग्रवाल, फोनर्वा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, नैवेद्य शर्मा, अनुज गुप्ता, राम रतन शर्मा, गिरीश गोविल, ओपी गोयल, भूपेन्द्र मित्तल, अभय अग्रवाल, पवन शर्मा, अजय सरीन, नैना गोयल, समीक्षा गंगल आदि लोग उपस्थित रहे।

चुनाव के बाद फिर लोगों से संपर्क करने का डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम शुरू किया

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा अपने संसदीय क्षेत्र के मतदान समाप्त होने के बाद रोज की तरह अपने दैनिक कार्य में व्यस्त हो गए हैं। कल उन्होंने सेक्टर-27 स्थित कैलाश हॉस्पिटल के कार्यालय में पार्टी के कार्यकर्ताओं तथा आम लोगों की बातें सुनी तथा उनसे मुलाकात की।

कार्यालय में सुबह 11 बजे से 3 बजे तक क्षेत्र की सम्मानित जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनी। शाम को भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए तथा कई लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर सतेंद्र नागर, सेवानंद शर्मा, सुरेंद्र कुमार गोयल रहें । कार्यालय में उन्होंने डीएन सिंह, हरिश्चंद्र भाटी, धर्मवीर यादव, विष्णु दत्त सिंह, जिनेंद्र चौरसिया, शलभ शर्मा, जितेंद्र भाटी, आशीष मिश्रा, मनोज कुकरेती, उधम सिंह, रमेश शेखर, कृष्णा देवी, रवि शर्मा मनीष उनियाल, अमरनाथ भगत, राकेश सिंह, किशोर कुमार, प्रियंक कुमार, संजीव कुमार गुप्ता से मुलाकात की।

ईवीएम पर अब सवाल नहीं !

एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर नाहक सवाल उठाना उचित नहीं है। इससे शक ही पैदा होता है। अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। दरअसल, ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां-कहां कुल पडे मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बड़ा सकती है। ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले। फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस मांग को खारिज कर दिया। दरअसल, इस तरह मतदान की गोपनीयता का उल्लंघन होने का खतरा था। मगर इसमें अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। उसने एक और रास्ता खोल दिया है कि अगर कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इसे बहुत से लोग बड़ी राहत की बात मान रहे हैं। इस तरह गड़बड़ियों की जांच हो सकेगी। पर अब यह तो तय है कि ईवीएम को लेकर जिस तरह के भ्रम बने हुए थे, वे याचिकाकर्ताओं के मन से काफी हद तक दूर हो चुके होंगे। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। इसके पहले भी कई मौकों पर इसे चुनौती दी गई थी। पिछले आम चुनाव के वक्त भी इस मसले को काफी तूल दिया गया था। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार-बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। राजनीतिक दलों को मशीन पर शक करने के बजाय मतदाताओं पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है। मशीन पर शक करने से नाहक मतदाताओं के भीतर भ्रम पैदा हुआ है। हालांकि निर्वाचन आयोग को भी इसे हार-जीत की तरह नहीं लेना चाहिए, उसे ईवीएम को विश्वसनीय बनाए रखने के जो भी उपाय हो सकते हैं, उन्हें अपनाने में उसे गुरेज नहीं होना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जगत में दरिद्रता के समान दुःख नहीं है तथा संतों के मिलने के समान जगत में सुख नहीं है। और हे पक्षीराज! मन, वचन और शरीर से परोपकार करना, यह संतों का सहज स्वभाव है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

संत सहहिं दुख पर हित लागी। पर दुख हेतु असंत अभागी॥
भूर्ज तरू सम संत कृपाला। पर हित निति सह बिपति बिसाला॥
संत दूसरों की भलाई के लिए दुःख सहते हैं और अभागे असंत दूसरों को दुःख पहुँचाने के लिए। कृपालु संत भोज के वृक्ष के समान दूसरों के हित के लिए भारी विपत्ति सहते हैं (अपनी खाल तक उधड़वा लेते हैं)॥
सन इव खल पर बंधन करई। खाल कढ़ाई बिपति सहि मरई॥
खल बिनु स्वारथ पर अपकारी। अहि मूषक इव सुनु उरगारी॥
किंतु दुष्ट लोग सन की भाँति दूसरों को बाँधते हैं और (उन्हें बाँधने के लिए) अपनी खाल खिंचवाकर विपत्ति सहकर मर जाते हैं। हे सर्पों के शत्रु गरुड़जी! सुनिए, दुष्ट बिना किसी स्वार्थ के साँप और चूहे के समान अकारण ही दूसरों का अपकार करते हैं॥
पर संपदा बिनासि नसाहीं। जिमि ससि हति हिम उपल बिलाहीं॥
दुष्ट उदय जग आरति हेतू। जथा प्रसिद्ध अधम ग्रह केतू॥
वे पराई संपत्ति का नाश करके स्वयं नष्ट हो जाते हैं, जैसे खेती का नाश करके ओले नष्ट हो जाते हैं। दुष्ट का अभ्युदय (उन्नति) प्रसिद्ध अधम ग्रह केतु के उदय की भाँति जगत के दुःख के लिए ही होता है॥
संत उदय संतत सुखकारी। बिस्व सुखद जिमि इंदु तमारी॥
परम धर्म श्रुति बिदित अहिंसा। पर निंदा सम अघ न गरीसा॥
और संतों का अभ्युदय सदा ही सुखकर होता है, जैसे चंद्रमा और सूर्य का उदय विश्व भर के लिए सुखदायक है। वेदों में अहिंसा को परम धर्म माना है और परनिन्दा के समान भारी पाप नहीं है॥
हर गुर निंदक दादुर होई। जन्म सहस्र पाव तन सोई॥
द्विज निंदक बहु नरक भोग करि। जग जनमइ बायस सरीर धरि॥1
शंकरजी और गुरु की निंदा करने वाला मनुष्य (अगले जन्म में) मेंढक होता है और वह हजार जन्म तक वही मेंढक का शरीर पाता है। ब्राह्मणों की निंदा करने वाला व्यक्ति बहुत से नरक भोगकर फिर जगत में कौए का शरीर धारण करके जन्म लेता है॥

(क्रमशः..)

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

देश की मौजूदा पीढ़ी को शायद इस बात का अंदाजा भी नहीं होगा कि भारत की आजादी के बाद की ऊबड-खाबड़ यात्रा में देश ने ऐसे-ऐसे हिचकोले खाए कि लगने लगा था कि लोकतंत्र पटरी से उतर कर अराजकता में बदल जाएगा। इसी यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना। आज जिस तरह शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराए जा रहे हैं। करीब साढ़े तीन दशक पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उस दौर में ऐसा कोई भी चुनाव नहीं रहा जो खून-खराबे से भरा नहीं रहा हो। देश में बैलट पर बुलट भारी था। बंदूक की नोक पर वोटों की पेटियों को लूटना आम बात थी। भारत की चुनावी प्रक्रिया में हर तरह की बुराई थी।

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे।

पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा।

चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया।

इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नज़रबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खराब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रवष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी। ये शेषन का ही बूता था कि उन्होंने चुनाव में पहचान पत्र का इस्तेमाल आवश्यक कर दिया।

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है।

शेषन ने साफ कह दिया कि अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए गए तो 1 जनवरी 1995 के बाद भारत में कोई चुनाव नहीं कराए जाएंगे। शेषन के दौर में ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव के दिन पंजाब के मंत्रियों के 18 बंदूकधारियों को राज्य की सीमा पार करते हुए धर दबोचा गया। उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा पर तैनात नागालैंड पुलिस ने बिहार के विधायक पप्पू यादव को सीमा नहीं पार करने दी। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल गुलशेर अहमद को चुनाव आयोग द्वारा सतना का चुनाव स्थगित करने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा।

गुलशेर अहमद पर आरोप था कि उन्होंने राज्यपाल पद पर रहते हुए अपने पुत्र के पक्ष में सतना चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया था। उसी तरह राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल बलिराम भगत को भी शेषन का कोपभाजन बनना पड़ा था, जब उन्होंने एक बिहारी अफ़सर को पुलिस का महानिदेशक बनाने की कोशिश की। शेषन ने बिहार में पहली बार चार चरणों में चुनाव करवाया और चारों बार चुनाव की तारीखें बदली गईं। ये बिहार के इतिहास का सबसे लंबा चुनाव था। शेषन ने आचार संहिता के उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल की राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं होने दिया, जिसकी वजह से केंद्रीय मंत्री प्रणब मुखर्जी को अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु इतने नाराज़ हुए कि उन्होंने उन्हें पागल कुत्ता कह डाला। साल 1992 के शुरू से ही शेषन ने सरकारी अफ़सरों को उनकी ग़लतियों के लिए लताड़ना शुरू कर दिया था। उसमें केंद्र के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव भी शामिल थे। बीते दशकों में टीएन शेषन से ज़्यादा नाम शायद ही किसी नौकरशाह ने कमाया हो। वर्ष 1990 के दशक में तो भारत में एक मज़ाक प्रचलित था कि भारतीय राजनेता सिर्फ़ दो चीज़ों से डरते हैं। एक ख़ुदा और दूसरे टीएन शेषन से।

– **योगेन्द्र योगी**

व्यंग्य

हाय-हाय यह गर्मी

कुछ कहावतें समय के साथ बदलती रहती हैं। जैसे तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा। लेकिन पंखे की तीन पत्तियाँ तीन तिगाड़ा तो कतई नहीं हो सकती। गर्मी के दिनों में वो न हो तो आदमी का बिगाड़ा हो सकता है। जिस प्रकार ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तिकड़ी दुनिया चलाती है, ठीक उसी तरह पंखे की तीन पत्तियाँ मेरे घर को। पंखे की स्पीड पाँच की हो तो कहना ही क्या, बिखरे हुए अखबार के पन्नों की तरह सब कुछ फड़फड़ाने लगता है। पंखा पुराण में नाना प्रकार की कष्ट लीलाएँ वर्णित हैं। पंखा न चले तो बच्चे घर से भाग जाते हैं। सब्जियाँ खराब हो जाती हैं। गर्मी में जिन कपड़ों को धोने के लिए पांच मिनट लगते हैं, वही पसीने से तर-बतर होने के लिए दो मिनट। कभी-कभी तो लगता है कि मैगी नूडल्स ने दो मिनट का फार्मूला यहीं से चुराया है।

पंखे के बंद होते मैं इस तरह छटपटाने लगता हूँ जैसे बिन पानी मछली। वैसे मछलियाँ बरसात के दिनों में भी सुरक्षित नहीं होती। भूख के आगे सभी अभागे हैं। कभी-कभी सोचता हूँ यह पंखा न होता तो क्या होता? न मेरी शादी होती, न मेरे बच्चे। या यूँ कहिए कि दुनिया ही नहीं होती। बहरहाल, पंखे के बंद होते ही, सारा-का-सारा माहौल अचानक से पसीने का पानीपत बन जाता है। कभी आप बगलों को खुजलाते हैं तो कभी सिर। कभी पीठ को खुजलाते हैं तो कभी कुछ। ऐसे समय में हमें अपने शरीर पर बड़ा पछतावा होता है। भगवान से प्रार्थना करते दिखाई देते हैं कि यह गर्मी का मौसम क्यों बनाया? बनाया तो बनाया बदन खुजलाने के लिए और दो-चार हाथ क्यों नहीं दिए? सच कहें तो पंखे का बंद होना समस्त मानवजाति के लिए अभिशाप बन जाता है। पंखा है तो हवा है। हवा है तो वाह-वाह है। नहीं तो आह-आह है।

गर्मी के दिनों में वैसे तो सब कुछ जल्दी पकता है, लेकिन दिमाग का नंबर पहले आता है। इन दिनों में सरल वाक्यों का प्रयोग श्रेष्ठ माना जाता है। संयुक्त अथवा मिश्रित वाक्यों से खोपड़िया कुछ ज्यादा ही पक जाती है। ऐसे में मनुष्य गलतियों का पुतला वाली उक्ति को चरितार्थ करने में अपना सब कुछ लगा देता है। यही कारण है कि जब कोई किसी के घर जाता है तो उसके लिए टेबल वाला तीन पत्तियों का झेलनदार तीव्र गति में दौड़ा दिया जाता है। उसके बाद पानी, शरबत और आवभगत की अन्य सामग्री दी जाती है। गर्मी की दुपहरिया में जब सूर्य सिर को भूमध्य रेखा समझ शून्य डिग्री पर प्रयाण करता है तब सुनने, समझने और बोलने की क्षमता समाप्त हो जाती है। डैड डेड की तरह, मम्मी मिस्र की मम्मी की तरह दिखाई देने लगते हैं।

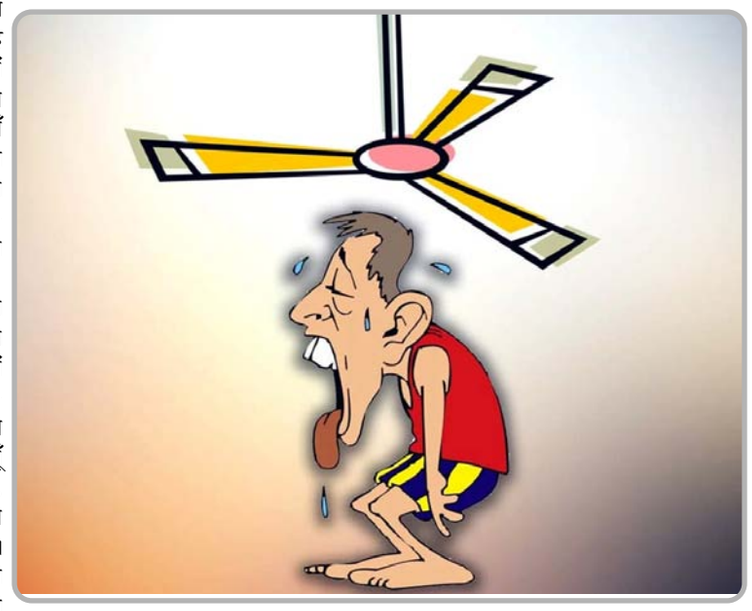

गर्मी के दिनों में बिजली चली जाए तो सबके मुँह से एक ही वाक्य निकलता हैङ्क बिजली कब आएगी? गर्मी के दिनों में बिजली को छुप्पम-छुपाई खेलने का बड़ा शौक होता है। आदमी जब तक जीने की आस न छोड़ दे तब तक उसके दर्शन नहीं होते। थोड़ी सी हवा भी कहीं से आ जाए तो मानो ऐसा लगता है जैसे पंखा चल पड़ा। अब भला पंखा सरकार थोड़े न है कि भेड़-बकरियों के वोट से चल पड़ेगा। इसके लिए बिजली की आवश्यकता पड़ती है, जो कि इस समय मंहगाई को छोड़कर कहीं दूसरी जगह दिखाई नहीं देती। मैं तो कहूँ महंगाई की बिजली से सपनों का पंखा चलाइए और इस जिंदगी से छुटकारा पाइए। – **डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'**,

(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

> ***पंखे के बंद होते मैं इस तरह छटपटाने लगता हूँ जैसे बिन पानी मछली। वैसे मछलियाँ बरसात के दिनों में भी सुरक्षित नहीं होती। भूख के आगे सभी अभागे हैं। कभी-कभी सोचता हूँ यह पंखा न होता तो क्या होता? न मेरी शादी होती, न मेरे बच्चे।***

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : चतुर्थी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनाब-सनाब खर्चे होंगे, लेकिन व्यावसायिक सफलता भी मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
भाग्य साथ देगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा में लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान बहुत अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बहुत बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
प्रेम विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है। स्वास्थ्य में सुधार।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। बुजुर्गों का आर्शावाद मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन भावुक बना रहेगा। क्रोध पर काबू रखें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यावसायिक स्थिति बहुत सुदृढ़ है। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान बहुत अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
समाज में सराहे जाएंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। रौब और रुआब आप के अंदर देखा जा रहा है।

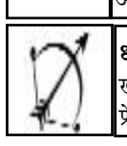

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान बहुत अच्छा। व्यापार भी बहुत अच्छा है।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा में लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नसों की समस्या या त्वचा की समस्या हो सकती है, ध्यान रखिएगा। हरी वस्तु का दान करें।

डायवर्जन के कारण होगी वाहन चालकों को परेशानी

एलिवेटेड रोड पर किया जा रहा मरम्मत कार्य

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की ओर से एलिवेटेड रोड पर री-सरफेसिंग (मरम्मत) का कार्य कराया किया जा रहा है। शनिवार से तृतीय चरण में एलिवेटेड रोड पर सेक्टर-60 से सेक्टर-31.25 से चढ़ने वाले लूप तक री-सरफेसिंग के कारण सेक्टर-60 से सेक्टर-31-25 तक डायवर्जन रहेगा।

री-सरफेसिंग कार्य प्रचलित होने के कारण सेक्टर-60/एलिवेटिड मार्ग से सेक्टर-18 होते हुए डीएनडी/ चिल्ला/ दिल्ली/ नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे/परीचौक की ओर जाने वाले यातायात का डायवर्जन किया गया है। अभी सेक्टर-18 से सेक्टर-60 तक एलिवेटेड रोड पर काम चल रहा है।

ऐसे में वाहन चालकों को एलिवेटेड रोड से नीचे गुजरना होता है। इससे व्यस्त समय में जाम लगता है। ऐसे में अब एलिवेटेड रोड की

दूसरी तरफ भी यातायात बढ़ेगा।

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्पलाइन नंबर-9971009001 पर संपर्क कर सकते है। यातायात डायवर्जन के दौरान इमरजेंसी वाहनों को सकुशल पास कराया जायेगा।

फेज-3 कोतवाली की ओर से एलिवेटेड मार्ग का प्रयोग कर सेक्टर-18 की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-60 अंडरपास के ऊपर से लेफ्ट टर्न कर, एमपी-3 मार्ग यानी की होशियारपुर, सिटी सेन्टर, सेक्टर-37/बोटनिकल गार्डन से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

सेक्टर-62/मॉडल टाउन, एनएच-24 की ओर से एलिवेटेड मार्ग का प्रयोग कर सेक्टर-18 की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-60 अंडरपास से होकर, सेक्टर-71/52 होते हुए एमपी-3 मार्ग यानी की होशियारपुर, सिटी सेंटर, सेक्टर 37/बोटेनिकल गार्डन का प्रयोग कर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

सेक्टर-71 की ओर से एलिवेटेड मार्ग का प्रयोग कर सेक्टर-18 की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-52 मेट्रो होते हुए एमपी-3 मार्ग यानि की होशियारपुर, सिटी सेंटर, सेक्टर-37/बोटनिकल गार्डन का प्रयोग कर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

किसान चौक, पर्थला की ओर से एलिवेटेड मार्ग का प्रयोग कर सेक्टर-18 की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-71 अंडरपास होकर एमपी-3 मार्ग यानी की होशियारपुर, सिटी सेन्टर, सेक्टर-37/बोटनिकल गार्डन का प्रयोग कर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

'ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहां' विषय पर गोष्ठी संपन्न

जिज्ञासा नहीं तो शोध नहीं होगा : अनिता रेलन

गाजियाबाद (चेतना मंच)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहाँ' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता अनिता रेलन ने ज्ञान का तात्पर्य बताते हुए अध्ययन जांच अवलोकन या अनुभव द्वारा अर्जित तथ्यों के प्रति जागरूकता बताया।ज्ञान मस्तिष्क को अधिक सुचारू रूप से और प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद करता है। ज्ञान की शक्ति से हम अपने शरीर की इंद्रियों पर जीत प्राप्त कर सकते हैं ज्ञान से हमारे मन और बुद्धि का भटकना बंद हो जाता है। ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हारा भोलापन ले ले।

ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हें विशेष होने का एहसास कराए ज्ञान एक बोझ है यदि वह जीवन में प्रसन्नता ना लाए,जीवन में संकलन ना लाए।ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हें मुक्त न करें।

यकीनन इससे परे ज्ञान मन को शुद्ध करता है ज्ञान की उत्पत्ति जिज्ञासा से होती है जैसा कि विषय बताता है ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहाँ जिज्ञासा नहीं तो नई नई शोध कहाँ।जिज्ञासा ज्ञान का आधार है गांधी जी कहा करते थे जिज्ञासा के बिना ज्ञान नहीं होता जैसे दुख के बिना सुख नहीं होता तो उन्होंने महाभारत के गुरु द्रोणाचार्य जी के कई दृष्टांत के साथ अपनी बात कही उन्होंने आगे चलकर यह भी बताया कर्म से रहित ज्ञान पंगु के समान होता है उससे ना तो कोई वस्तु प्राप्त की जा सकती है ना ही कोई कार्य सिद्ध होता है जो मन वाणी और कर्म से अपने कर्तव्य कर्म को करता है अर्थात ज्ञान युक्त कर्म के द्वारा ही इसकी सिद्धि होती है हितोपदेश का एक छोटा सा वाक्य बताते हुए कहा ज्ञानम भारम क्रिया।आचरण के बिना ज्ञान केवल भार होता है।

जीवन में ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। पर सत्य का पता लगाने के लिए कोरा ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। हालांकि ज्ञान विचारों को प्रोत्साहित करता है और उसकी अनुभूति होना मनुष्य को चिंतन की उन गहराइयों में ले जाती है जिसमें जीवन का सार तत्व छिपा है। 'उठ जाग मुसाफिर भोर भाई अब रैन कहां जो सोवत है' उन्होंने दृष्टांत देते हुए अपनी बात को रखा और इस बात पर बल दिया कि ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहां से आएगी अगर हम कुछ सोचने समझने की शक्ति नहीं रखेंगे तो किसी के प्रति जिज्ञासा इच्छा उसके प्रति अनुभूति पैदा ही नहीं हो पाएगी यह सच है।

समस्त इंद्रियों को भली प्रकार समाहित करते हुए पापों से अपनी आत्माओं की निरंतर रक्षा करते रहना चाहिए पापों से आरक्षित आत्मा संसार में भटका करती है और सुरक्षित आत्मा संसार के सारे दुखों से मुक्त हो जाती है पापों से आत्मा की रक्षा करने का अत्यंत शक्तिशाली उपाय है अपनी अनुभूतियों को जागृत करना और जागृत किये रखना ही है।जरासी असावधानी होने पर अनर्थ हो जाता है और व्यक्ति ऊंचाइयों के उन तूफानों पर नहीं चढ़ पाता जिस पर मनुष्य और मनुष्यता के नाते उसे चढ़ना चाहिए।

मुख्य अतिथि आर्य नेत्री अनिता छाबड़ा व अध्यक्ष रेणु त्यागी ने अपने विचार व्यक्त किए।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'आप' प्रदेश अध्यक्ष ने अयोध्या जिला प्रभारी व जिलाध्यक्ष को दिए दिशा निर्देश

अयोध्या (चेतना मंच)। प्रदेश प्रवक्ता व अयोध्या जिला प्रभारी संजीव निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने अयोध्या जिलाध्यक्ष अनिल प्रजापति के नेतृत्व में जिले के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के साथ मिलकर भारी अंतर से जिताने का कार्य करे क्योंकि आगे भी निरंतर चुनाव होते रहने के लिए इस बार गठबंधन सरकार का बनना बहुत जरूरी है अन्यथा लोकतंत्र के लिए 2024 का चुनाव आखिरी चुनाव साबित होगा

प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह वृहस्पतिवार को अयोध्या महानगर अध्यक्ष व मेयर प्रत्याशी रहे कुलभूषण साहू के पिता स्वर्गीय श्याम लाल साहू की तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या पहुँचे हुए थे। 15 अप्रैल को कुलभूषण साहू के पिता की अचानक हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया था। सभाजीत सिंह ने कुलभूषण साहू के स्वर्गीय पिता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि देने वालो में प्रदेश प्रवक्ता व अयोध्या जिला प्रभारी संजीव निगम,अयोध्या जिलाध्यक्ष अनिल प्रजापति, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोहम्मद इस्राइल घोसी जिला उपाध्यक्षो में सूरज प्रधान,संदीप पटेल,शारजाह मास्टर,जिला महासचिव सुनील मौर्य व मिल्कीपुर से विधानसभा सभा प्रत्याशी रहे हर्षवर्द्धन कोरी व कई अन्य राजनीतिक दलों के तमाम नेता व पारिवारिक शुभचिंतक मौजूद रहे।

छात्रों को ले जा रही बस अनियंत्रित होकर पलटी, आठ घायल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा दो कोतवाली क्षेत्र के यथार्थ अस्पताल के पास पीजी में रहने वाले छात्रों को लेकर जा रही बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार आठ छात्र घायल हो गए हैं। सभी छात्रों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, बीटा-2 क्षेत्रान्तर्गत मित्रा गोलचक्कर के पास एक बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। बस में निजी कॉलेज के 50 छात्र/छात्राएं थे, जिनमें 10 छात्रों (10 छात्र और तीन छात्रा) को मामूली चोट लगी है। जिनको प्राथमिक उपचार हेतु निजी अस्पताल ले जाया गया है। वरिष्ठ अधिकारीगण मौके पर मौजूद है। अस्पताल में उपचार के बाद छात्रों को डिस्चार्ज कर दिया गया।

गन्ने की फसल सूखने पर मांगा मुआवजा मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

मुरादाबाद(एजेंसी)। मुरादाबाद में भाकियू (टिकैत) ने 40 प्रतिशत गन्ने की सूखी फसल का मुआवजा देने की प्रदेश सरकार से मांग की है। आरोप लगाया कि राणा ग्रुप की तीन मिलों ने गन्ने के बकाए का भुगतान नहीं किया है।

इस मामले में किसानों ने मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को आठ सूत्री ज्ञापन सौंपा है। लोनिवि गेस्ट हाउस परिसर में भाकियू की मंडलीय पंचायतमंडल अध्यक्ष बाबू राम तोमर की अध्यक्षता में हुई।

किसान नेताओं का कहना था कि मुरादाबाद मंडल के पांचों जिलों में गन्ने की फसल करीब 40 प्रतिशत सूख गई है। इसी कारण गन्ना मिले पहले ही बंद करनी पड़ी। प्रदेश सरकार को किसानों की क्षति

पूर्ति के लिए सर्वे कराकर मुआवजा देना होगा। राणा ग्रुप को सरकार दबाव डालकर गन्ने के बकाए का भुगतान कराए। पूरे मंडल में छुट्टा पशुओं से किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि मार्च के बाद छुट्टा पशु दिखाई नहीं देंगे।

इस मामले में अतिरिक्त गोशाला सरकार बनाए। वहीं जानवरों के हमले के कई लोग शिकार हुए हैं। गुलदारों के हमले से बिजनौर में घटनाएं हुई हैं। हमले में घायल किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए।

गंगा खादर और अन्य नदियों से सटी भूमि में जल प्रलय की संभावना है। इसको रोकने के लिए सरकार को शीघ्र तटबंध बनाना होगा। बिजली की व्यवस्था को ठीक करने के लिए शिकायत मिलने पर अधिकारी कर्मचारियों से ढीले तारों और टूटे तारों को ठीक कराएं।

बिजली और सहकारिता विभाग को मुरादाबाद से हटाकर संभल में स्थानांतरित करें। रामपुर में अग्निकांड की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस मामले में योजना बनाकर सरकार लगाम लगाए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अ निश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में आज 75वें दिन भी जारी रहा।

खास खबर

वीवीपीएटी मामले में हम नहीं थे पक्षकार, मुहिम जारी रहेगी : जयराम रमेश

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस का कहना है कि वह चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा बढ़ाने के लिए वीवीपीएटी के अधिक इस्तेमाल पर राजनीतिक अभियान जारी रखेगी। उसने यह बात तब कही जब सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के जरिए डाले गए वोट का वीवीपैट के साथ शत-प्रतिशत मिलान कराने संबंधी याचिकाएं खारिज कर दीं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वीवीपैट पर एससी की ओर से खारिज की गई याचिका में कांग्रेस प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पक्षकार नहीं थी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हमने 2 जजों की पीठ के फैसले पर ध्यान दिया है। मगर, चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कांग्रेस के लिए करारा तमाचा बताए जाने पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब शीर्ष अदालत ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया तो भाजपा को करारा तमाचा लगा था। कांग्रेस महासचिव ने अपने पोस्ट में कहा, 'याद रखें कि कुछ हफ्ते पहले सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार से भरी चुनावी बॉन्ड योजना को न केवल अवैध, बल्कि असंवैधानिक घोषित करके प्रधानमंत्री को करारा तमाचा मारा था।' रमेश ने कहा कि वास्तव में यह प्रधानमंत्री हैं जिन्हें चंदा इकट्ठा करने के अपने चार रास्तों के माध्यम से पिछले 5 वर्षों में 8,200 करोड़ रुपये इकट्ठा करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए- मालूम हो कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के माध्यम से डाले गए मतों का 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपीएटी) के साथ पूर्ण सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि प्रणाली के किसी भी पहलू पर आंख बंद करके अविश्वास करना अनुचित संदेह पैदा कर सकता है।

बाहुबली धनंजय सिंह को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका, अपील खारिज, नहीं मिली रिहाई

इलाहाबाद, एजेंसी। पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका मिला है। नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण मामले में जौनपुर की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए से मिली सात साल की सजा को स्थगित करने और जमानत पर रिहा करने की पूर्व सांसद धनंजय सिंह की अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।। इससे पहले शनिवार को सुबह आठ बजे धनंजय को जौनपुर जिला जेल से बरेली जेल शिफ्ट किया गया। धनंजय छह मार्च से जौनपुर के जिला कारागार में बंद थे। आपको बता दें कि पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने जौनपुर की विशेष अदालत से मिली सात साल की सजा के खिलाफ पिछले महीने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस याचिका में उन्होंने सजा पर रोक लगाने और फैसला आने तक जमानत पर रिहा करने की गुहार लगाई थी। नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण में मिली सजा के खिलाफ दाखिल अपील पर गुरुवार को हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई थी। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। इससे पहले बुधवार को धनंजय की तरफ से अधिवक्ता ने कहा था कि लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अनुमति दी जाए। अधिवक्ता ने आगे कहा कि ट्रायल के दौरान धनंजय सिंह जमानत पर थे उन्होंने जमानत का कोई दुरुपयोग नहीं किया वह लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं इसलिए उनकी सजा स्थगित कर उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को झटका, बीरभूम से पार्टी उम्मीदवार का नामांकन रद्द, हाई कोर्ट पहुंचा मामला

बीरभूम, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की बीरभूम संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार देबाशीष धर का नामांकन चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया है। धर ने अपने नामांकन के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया था। वह पूर्व ब्लॉक अधिकारी रहे हैं। चुनाव आयोग सूत्रों ने कहा है कि अगर नौकरीशुदा कोई शख्स इस्तीफा देकर चुनाव लड़ता है तो उसे उस विभाग (जहां वह काम करता था) से नो ड्यूज और नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जमा करना होता है। धर ने अपने नामांकन के साथ यह कागजात नहीं जमा कराए थे, जिसकी वजह से आयोग ने उनका नामांकन रद्द कर दिया है। भाजपा ने अब उनकी जगह देबतनु भट्टाचार्य को बीरभूम सीट से नया उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने नामांकन भी कर दिया है। देबाशीष धर ने हाल ही में आईपीएस अधिकारी के पद से इस्तीफा दिया था और राजनीति में एंट्री ली थी। इसके साथ ही धर ने अपने नामांकन को रद्द करने के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दी है। धर ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मामले में तुरंत सुनवाई की अपील की लेकिन चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम ने इससे इनकार कर दिया। बीरभूम में चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है। बता दें कि 2021 में बंगाल विधान सभा चुनावों के बाद ममता सरकार ने देवाशीष धर को निलंबित कर दिया था। उस वक्त धर कूच विहार के एसपी थे।

सीपीएम को लगने वाला है तगड़ा झटका? बड़े नेता के भाजपा में शामिल होने की अटकलें

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को लोकसभा चुनावों के बीच बड़ा झटका लगने की आशंका है। सीनियर नेता ई. पी. जयराजन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ वाम दल परेशान दिखे। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने सहयोगी जयराजन को आगाह किया कि वह अपने संबंधों को लेकर सतर्क रहें। विजयन ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के संयोजक जयराजन को आगाह किया और स्थानीय कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'अगर भगवान शिव किसी पापी से जुड़ जाते हैं, तो शिव भी पापी बन जाएंगे।' सीएम का यह बयान बीजेपी लीडर शोभा सुरेंद्रन की ओर से जयराजन को अपनी पार्टी में शामिल करने संबंधी प्रयास का जिक्र किए जाने के बाद आया।

2 दिन पहले शोभा ने आरोप लगाया था कि एक मध्यस्थ ने शीर्ष माकपा नेता की मदद करने की कोशिश की थी, जो भाजपा में शामिल होना चाहते थे। गुरुवार को उन्होंने दावा किया कि वह नेता ईपी जयराजन थे। कन्नूर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कुछ लोग ऐसे हैं जो हर दिन यह सोचते हुए उठते हैं कि किसे धोखा देना है। भाजपा और जयराजन के बीच कथित मध्यस्थ की भूमिका टी जी नंदकुमार ने निभाई। विजयन ने उनका नाम लिए बिना कहा कि ऐसे लोगों के साथ किसी भी तरह की दोस्ती या परिचय से आमतौर पर बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव यह रहा है कि जयराजन का संबंध हमेशा सभी के साथ अच्छा रहता है। आमतौर पर ऐसे मामलों में वह सतर्क नहीं रहते हैं।

जयराजन की प्रकाश जावड़ेकर से हुई मुलाकात: सीएम ने राज्य के राजनीतिक हलकों में दलाल के नाम से जाने जाने वाले नंदकुमार का प्रत्यक्ष जिक्र किए बिना कहा कि इस तरह एक व्यक्ति जिसकी राज्य में सबसे संदिग्ध पृष्ठभूमि है, इन सभी घटनाक्रमों का गवाह बनकर सामने आया। विजयन ने कहा कि उन्हें लवलीन मामले में उस व्यक्ति विशेष का संबंध स्पष्ट रूप से पता है, जिसकी लड़ाई वह वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से दोस्ती या परिचय भी अस्वीकार्य है। जयराजन के भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर से मुलाकात की बात स्वीकारने की मीडिया में प्रकाशित खबरों से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए विजयन ने कहा कि ऐसी मुलाकातों में कुछ भी गलत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने खुद जावड़ेकर से बात की थी।

यह केवल वामपंथ पर हमला करने का तरीका : प्रकाश जावड़ेकर के साथ जयराजन की कथित मुलाकात के बारे में सवाल का जवाब देते हुए माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि लोग किसी से भी मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल वामपंथ पर हमला करने का तरीका और माकपा के खिलाफ एक राजनीतिक साजिश है। गोविंदन ने कहा, 'राजनीतिक नेताओं के रूप में, हम कई लोगों से मिलते रहते हैं। हाल ही में, मैंने एम एम हसन और भाजपा नेता कृष्णदास से मुलाकात की। हम वहां एक टेलीविजन बहस में हिस्सा लेने गए थे। हमारे बीच दोस्ती है, लेकिन हमारे बीच मजबूत राजनीतिक मतभेद हैं। यह व्यक्तिगत संबंध नहीं, बल्कि राजनीति है, जो मायने रखती है।'

जयराजन भाजपा में जाते हैं या नहीं, मगर. : इस बीच, कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख के. सुधाकरन ने इस मामले पर जयराजन और माकपा की आलोचना जारी रखी। उन्होंने पूछा कि क्या कोई व्यक्ति बिना किसी संबंध के किसी से मिलने जाएगा। सुधाकरन ने कहा, 'मुझे इसकी परवाह नहीं है कि जयराजन भाजपा में जाते हैं या नहीं। हम उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित नहीं हैं। जयराजन को किनारे करने के लिए उस पार्टी के अंदर किसी तरह की साजिश थी। इसलिए वह दूर रह रहे थे।' विवाद के संबंध में मुख्यमंत्री के बयानों के बारे में पूछे जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता और राजग उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि विजयन ने ही हमेशा संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले लोगों के साथ संबंध बनाए रखे। उन्होंने विजयन पर राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की बदहाली का कारण बनने का भी आरोप लगाया।

भजनलाल सरकार का एक्शन, दूदू कलेक्टर पर आधी रात को एसीबी का छापा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने बड़ी मछलियों पर एक्शन लेना शुरू कर दिया है। एसीबी ने शुक्रवार आधी रात को दूदू कलेक्टर के ठिकानों पर छापे मारे है। भष्टाचार की शिकायत मिलने पर यह कार्रवाई की है। एसीबी सूत्रों के अनुसार दूदू कलेक्टर पर हनुमान मल ढाका पर भू-रूपांतरण के लिए 25 लाख रुपये मांगने का आरोप था। घूस मांगने के आरोप में शुक्रवार रात करीब 1 बजे एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के यहां छापेमारी की। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के डीआईजी डॉ रवि के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर नगर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सर्च कार्रवाई की गई। जिला कलेक्टर दूदू के निवास स्थान डाक बंगला दूदू और तहसील कार्यालय दूदू पर तलाशी की कारवाई की गई। जिला कलेक्टर और पटवारी पर जमीन के कन्वर्जन की एवज में 25 लाख रुपये रिश्वत राशि मांगने का आरोप है। अनुसंधान में प्रारंभिक तौर पर परिवादी की शिकायत जिसमें रिश्वत राशि मांग का सत्यापन का प्रकरण बनना पाया जाने पर न्यायालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर से सर्च वारंट प्राप्त किया गया, सर्च वारंट प्राप्त कर जिला कलेक्टर दूदू के निवास स्थान डाक बंगला दूदू और तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी की कार्रवाई की गई।

छापेमारी के बाद एसीबी ने दूदू जिला कलेक्टर और पटवारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार का प्रकरण दर्ज किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर जिला कलेक्टर दूदू हनुमान मल ढाका और दूदू पटवारी हंसराज हल्का पटवारी के खिलाफ रिश्वत मांगने के संबंध में शुक्रवार को पीसी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण दर्ज कर निवास स्थान डाक बंगला दूदू, और तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी ली गई। डीआईजी डॉ रवि ने बताया की एसीबी में परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी फर्म के नाम से 240 बीघा जमीन है, जिसमें से कुछ खसरे तालाब, पाल क्षेत्र में होने के कारण कन्वर्जन करवाए जाने की बात को लेकर कलक्टर के पास शिकायत थी, जिस पर कार्रवाई नहीं करने की एवज में दूदू कलेक्टर और पटवारी ने रिश्वत की डिमांड की, 25 लाख रु. रिश्वत की डिमांड करते हुए 21 लाख रुपए लेना तय किया, लेकिन परिवादी द्वारा 21 लाख रुपए ज्यादा होना बताने पर 15 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। जिसमें 7.5 लाख कलेक्टर द्वारा अपने डाक बंगले पर मंगवाया जाना रिकॉर्डिंग वार्ता में स्पष्ट हुआ। एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच में दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और दूदू हल्का पटवारी हंसराज द्वारा रिश्वत की मांग करने का सत्यापन हुआ, जिस पर कलक्टर, पटवारी के खिलाफ पीसी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर सर्च कार्रवाई की गई।

बिहार से उत्तर प्रदेश लाए जा रहे थे 95 बच्चे, बाल आयोग ने अयोध्या में किया रेस्क्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश बाल आयोग ने शुक्रवार को ष्में 95 बच्चों को बचा लिया। उन्हें अवैध रूप से बिहार से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। अयोध्या बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार सुबह यूपी बाल आयोग की सदस्य सुचित्रा चतुर्वेदी से सूचना मिलने के बाद सीडब्ल्यूसी सदस्यों ने बच्चों को बचाया। उन्होंने कहा, सुबह करीब 9 बजे यूपी बाल आयोग की सदस्य सुचित्रा चतुर्वेदी ने फोन किया और कहा कि बिहार से नाबालिग बच्चों को अवैध रूप से सहारनपुर ले जाया जा रहा है। वे गोरखपुर में हैं और अयोध्या होते हुए जाएंगे। हमने बच्चों को बचाया और उन्हें खाना दिया गया। उन्होंने बताया कि जिन बच्चों को बचाया गया उनकी उम्र 4-12 साल के बीच थी। उन्होंने कहा, जो लोग बच्चों को लाए थे उनके पास माता-पिता से कोई सहमति पत्र नहीं था। बच्चों की उम्र 4-12 वर्ष के बीच है और उनमें से अधिकांश ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है। माता-पिता से संपर्क किया जा रहा है और बच्चों को माता-पिता को सौंप दिया जाएगा। इससे पहले, बिहार से विभिन्न राज्यों के मदरसों में भेजे जा रहे बच्चों के एक समूह को उत्तर प्रदेश राज्य बाल आयोग ने गोरखपुर में बचाया था। बच्चों को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के आदेश पर राज्य बाल पैनल द्वारा बचाया गया था।

कांग्रेस मुसलमानों को गोमांस खाने का अधिकार देना चाहती है, योगी आदित्यनाथ का बड़ा हमला

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों को गोमांस खाने का अधिकार देना चाहती है और यह गोहत्या की अनुमति देने के समान है। एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ये बेशर्म लोग गौमांस खाने का अधिकार देने का वादा करते हैं, जबकि हमारे ग्रंथ गाय को माता कहते हैं। वे गायों को कसाई के हाथों में सौंपना चाहते हैं। क्या भारत इसे कभी स्वीकार करेगा?

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद का खाना खाने की आजादी देना चाहते हैं, मतलब वे गोहत्या की अनुमति देने की बात कर रहे हैं। आपको बता दें कि योगी आदित्यनाथ संभल लोकसभा सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार परमेश्वर लाल सैनी के लिए समर्थन जुटाने के लिए मुरादाबाद जिले के बिलारी में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया भाषणों को दोहराते हुए सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस स्त्रीधन को जब्त करने और इसे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के बीच वितरित करने का इरादा रखती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में लोगों की संपत्ति के एक्स-रे की बात कही है।

उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि अगर किसी के घर में चार कमरे हैं, तो वे उनमें से दो कमरे छीन लेंगे। इतना ही नहीं, कांग्रेस कहती है कि वह महिलाओं के आभूषणों पर कब्जा कर लेगी, देश इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने यूपीए सरकार के तहत 2004 से 2014 तक ऐसे प्रयास किए थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कर्नाटक में एससी, एसटी और ओबीसी को दिए गए आरक्षण में से मुसलमानों को कोटा देने की कोशिश की थी।

उन्होंने सच्चर समिति की सिफारिशों का जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी के कोटे में से उन्हें छह प्रतिशत आरक्षण देकर इसे लागू करना चाहती थी। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को और विभाजित करने की साजिश रच रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि भाई-बहन (राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या जाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, जब उनकी सरकार थी तो वे भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे। लेकिन देवता सभी के हैं। यह उनके दोहरे मानकों का उदाहरण है। आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलने में झिझकते हैं, उन्हें उनका वोट नहीं मिलना चाहिए।

कोरोना काल में एंटीबायोटिक दवाओं का खूब हुआ इस्तेमाल, क्या इससे आपकी सेहत को गंभीर खतरा?

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं का काफी इस्तेमाल हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे लेकर अब एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक, इन दवाओं का अत्यधिक यूज होने से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का स्तर तेजी से बढ़ गया। इसका मतलब यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ा। रिपोर्ट में पाया गया कि हॉस्पिटल में भर्ती कोविड-19 से पीड़ित केवल 8 प्रतिशत लोगों में बैक्टीरियल को-इंफेक्शन था। ऐसे मामलों में इसकी आवश्यकता थी, मगर तीन-चौथाई रोगियों को एंटीबायोटिक्स दिए गए। सबसे अधिक एंटीबायोटिक का इस्तेमाल गंभीर रोगियों में देखा गया, जिसका वैश्विक औसत 81 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी भूमध्यसागरीय और अफ्रीकी देशों में एंटीबयोटिक दवाओं का सबसे अधिक 83 प्रतिशत इस्तेमाल हुआ। ये नतीजे 3 साल की अवधि के लिए 65 देशों के क्लिनिकल डेटा के आधार पर निकाले गए। इसके अनुसार, सबसे बड़ी चिंता यह रही कि वॉच एंटीबायोटिक्स का विश्व स्तर पर सबसे अधिक बार इस्तेमाल देखा गया। इनमें उच्च प्रतिरोध क्षमता होती है। विषाणु, जीवाणु,

फफूंदी और अन्य परजीवों में समय बीतने के साथ कुछ बदलाव होते हैं। इसके कारण रोगाणुरोधी प्रतिरोध विकसित हो जाता है। इस स्थिति में एंटीबायोटिक और अन्य जीवनरक्षक दवाएं अनेक प्रकार के संक्रमणों पर असर नहीं कर पातीं।

कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य संगठन ने दिए थे सुझाव : यूएन एजेंसी की प्रवक्ता डॉक्टर मार्गरेट हैरिस ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य संगठन की ओर से कुछ सुझाव दिए गए थे। किसी भी समय कोविड-19 के इलाज के लिए एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल करने की सिफारिश नहीं की गई। उन्होंने कहा, एकदम साफ शब्दों में बताया गया कि यह एक वायरस है। इसलिए ऐसा नहीं था कि किसी तरह के दिशानिर्देश हो कि स्वास्थ्यकर्मियों को इस दिशा में जाना है। मगर, लोग एक नई चीज का सामना कर रहे थे। वे किसी भी तरह इसका खोज रहे थे। ऐसे स्थिति में कई सारे कदम उठाए गए। आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में कोविड-19 संक्रमितों के इजाल में 33 फीसदी को एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं। पूर्वी भूमध्यसागर व अफ्रीकी क्षेत्र में यह संख्या 83 प्रतिशत थी।

नीतीश कुमार के दावे को मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खारिज, बोले- मेरे कारण बना इंडिया गठबंधन

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजयी रथ को रोकने के लिए तैयार इंडिया गठबंधन को लवेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नया दावा किया है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के मुखिया नीतीश कुमार के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें वह लगातार कह रहे हैं कि उनके कारण है इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस का गठन हुआ। खड़गे ने कहा कै हि उनकी सलाह पर ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में पहली बैठक बुलाई थी। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह दावा बेबुनियाद है कि इंडिया गठबंधन उन्होंने बनाया था।

अपने सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग पर 'हिन्दुस्तान' के साथ बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्होंने और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सभी पार्टियों के नेताओं को बुलाकर बातचीत की। 25-26 पार्टियों के नेताओं के साथ जब गठबंधन पर सहमति बन गई, तो यह प्रश्न आया कि पहली बैठक कहां करनी है। खड़गे कहते हैं कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक करने की सलाह दी थी, क्योंकि वह सरकार में थे। इसके साथ उन्होंने दूसरी पार्टियों के नेताओं को पटना में पहली बैठक के लिए रजामंद किया, पर नीतीश कुमार बोल रहे हैं कि उन्होंने सब कुछ किया था। कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इशारों-इशारों में इस बात पर खुशी जताई कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहले ही इंडिया गठबंधन छोड़ दिया। खड़गे ने अपने खास अंदाज

में कहा कि अच्छा हुआ है कि वह शादी से पहले ही निकल गए। शादी के बाद जाते तो बहुत नुकसान होता। ऐसे में नीतीश कुमार की गठबंधन के गठन में कोई भूमिका नहीं है। उनसे जब पूछा गया कि- क्या प जीत सकते हैं? इसके लिए, नतीजों का इंतजार करना होगा, लेकिन इसी गठबंधन की राजनीति की वजह से यूपी और बिहार में कांग्रेस को खत्म होते देखा गया है। इन राज्यों में पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी कोई रणनीति बना रही है? इसके जवाब में खड़गे ने कहा- अभी नहीं हो सकता है। इस वक्त जितना हो सकता है, हम कोशिश कर रहे हैं। हम गठबंधन में हैं। गठबंधन में एक-दूसरे को जगह नहीं देंगे, तो गठबंधन कैसे चलेगा? इसके लिए हमारी पार्टी ने त्याग किया है।

मुसलमान भी हैं माधवी लता के फैन, संकट में असदुद्दीन ओवैसी, हैदराबाद में कांटे की टक्कर

हैदराबाद , एजेंसी। हैदराबाद की लड़ाई इस लोकसभा चुनाव में काफी रोचक हो चुकी है। बीजेपी ने इस सीट से माधवी लता को अपना कैंडिडेट बनाया है। तेलंगाना के सभी 17 लोकसभा सीटों में सबसे हाईप्रोफाइल हैदराबाद में उनका मुकाबला एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से है। यह सीट 1984 से ही ओवैसी परिवार के पास है। माधवी लता अपने बयानों से लोकर अपने सामाजिक कार्यों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में उनकी जमकर तारीफ की थी। 49 साल की माधवी लता पेशे से कारोबारी होने के साथ-साथ समाजसेवी भी हैं और लंबे समय से मुस्लिम-बहुल पुराने शहर में सक्रिय हैं। कोई विशेष राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं होने के बावजूद माधवी लता अपना सियासी वजूद साबित करने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। पेशेवर भरतनाट्यम नृत्यांगना माधवी लता ने तेलुगु और तमिल फिल्मों में अभिनय भी किया है। वह 2018 में भाजपा में शामिल हो गई और 2019 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में गुंटूर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरीं। हालांकि इस चुनाव में उन्हें हार मिली।

मुस्लिमों के बीच भी लोकप्रिय हैं माधवी लता : मुस्लिम समाज में लोकप्रिय माधवी लता को उम्मीदवार बनाये जाने का एक कारण यह रहा कि

वह मुस्लिम महिलाओं के उत्थान के लिए काम करती हैं और उनके बीच काफी लोकप्रिय हैं। साथ ही प्रखर वक्ता

होना भी उनके पक्ष में है। माधवी लता निराश्रित मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक मदद भी करती रही हैं। उन्होंने तीन तलाक के खिलाफ अभियान भी चलाया था। खुद माधवी लता दावा करती हैं कि उन्हें चुनाव में मुस्लिम महिलाओं का सहयोग मिलेगा। माधवी लता का दावा है कि वह एक साल से इस निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रही हैं। इस चुनाव में ओवैसी को माधवी से जोरदार चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। हैदराबाद सीट एआईएमआईएम का गढ़ रही है। ओवैसी जहां मुस्लिम चेहरा हैं, वहीं माधवी लता की छवि कट्टर हिंदुत्व समर्थक की है। दोनों के बीच विचारधारा की लड़ाई है। एक विधानसभा सीट भाजपा के पास सात विधानसभा सीटों वाली हैदराबाद लोकसभा सीट में करीब 19 लाख मतदाता हैं। हैदराबाद में जो सात विधानसभा सीटें हैं, उनमें सिर्फ एक सीट गोशामहल में भाजपा विधायक केटी राजा सिंह हैं। बाकी सीटों पर एआईएमआईएम के विधायक हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय : माधवी लता लातम्मा फाउंडेशन और लोपामुद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्टी हैं। माधवी लता का हैदराबाद में एक अस्पताल भी है। वह इस अस्पताल की प्रमुख हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और हिंदू समर्थक रुख के कारण सुर्खियों में रहती हैं। माधवी लता एक गौशाला भी चलाती हैं और स्कूलों और कॉलेजों में हिंदुत्व और भारतीय संस्कृति पर नियमित रूप से भाषण देती हैं।

बड़ी महिमा है वैशाख की : इस महीने जल दान करने से तृप्त होते हैं ब्रह्मा-विष्णु-महेश

पौराणिक मान्यता है कि जन कल्याण के लिए वैशाख मास में देवी-देवता जल में निवास करते हैं। कहा जाता है कि वैशाख माह में जो प्याऊ लगवाता है, वह सभी देवता, ऋषि एवं पितरों सबको प्रसन्न करता है। इस मास में किसी एक भी व्यक्ति को पानी पिला दें तो वह ब्रह्मा-विष्णु-महेश को भी तृप्त करता है। ऐसा करने से कुंडली में सूर्य और गुरु ग्रह मजबूत होते हैं। शास्त्रों के अनुसार जैसे विद्याओं में वेद विद्या, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्पवृक्ष, धेनुओं में कामधेनु, देवताओं में विष्णु, वर्णों में ब्राह्मण, प्रिय वस्तुओं में प्राण, नदियों में गंगाजी उसी तरह ही माह में वैशाख के जैसा कोई मास नहीं है। वैशाख महीने में जल पात्र, कपड़े, पादुका, हवा के लिए पंखे, छाया व्यवस्था, सत्तू, अन्न एवं फलदान करना बेहद पुण्यदायी माना जाता है। वैशाख माह में दान करने से व्यक्ति को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सनातन पंचांग के अनुसार हिंदू नव संवत का दूसरा महीना वैशाख मास है, विशाखा नक्षत्र से संबंधित होने के कारण इस महीने को वैशाख मास कहते हैं। वैशाख मास में मुख्य रूप से भगवान श्रीहरि विष्णु आराधना बहुत ही फलदायी मानी जाती है। सनातन धर्मग्रंथ स्कंद पुराण में वैशाख मास को 'माधव मास' कहा गया है, जो कि भगवान कृष्ण का ही एक नाम है। पौराणिक मान्यता है कि वैशाख मास में पवित्र नदियों में स्नान कर दान करने से दुख एवं दरिद्रता से मुक्ति मिलती है।

इस वर्ष 2024 में वैशाख मास का आरंभ बुधवार 24 अप्रैल 2024 से हो रहा है और इस मास का समापन गुरुवार 23 मई 2024 को होगा। पंचांग के अनुसार वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि बुधवार 24 अप्रैल को सुबह 5.18 बजे से आरंभ होगी जो कि अगले दिन गुरुवार 25 अप्रैल को सुबह 6.46 बजे समाप्त होगी। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि का सूर्योदय बुधवार 24 अप्रैल को होगा, इसलिए उदयातिथि के अनुसार वैशाख मास का आरंभ बुधवार 24 अप्रैल 2024 से होगा।

शास्त्रों में कहा गया है कि न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्। न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंङ्गया समम्।। अर्थात्- ब्रह्माजी ने वैशाख को सब महीनों में उत्तम बताया है। पौराणिक मान्यता है कि जन कल्याण के लिए वैशाख मास में देवी-देवता जल में निवास करते हैं।

कहा जाता है कि वैशाख माह में जो प्याऊ लगवाता है, वह सभी देवता, ऋषि एवं पितरों सबको प्रसन्न करता है।

इस मास में किसी एक भी व्यक्ति को पानी पिला दें तो वह ब्रह्मा-विष्णु-महेश को भी तृप्त करता है। ऐसा करने से कुंडली में सूर्य और गुरु ग्रह मजबूत होते हैं। साथ ही घर में सुख-समृद्धि, धन की कभी कमी नहीं होती है।

शास्त्रों के अनुसार जैसे विद्याओं में वेद विद्या, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्पवृक्ष, धेनुओं में कामधेनु, देवताओं में विष्णु, वर्णों में ब्राह्मण, प्रिय वस्तुओं में प्राण, नदियों में गंगाजी उसी तरह ही माह में वैशाख के जैसा कोई मास नहीं है। वैशाख महीने में जल पात्र, कपड़े, पादुका, हवा के लिए पंखे, छाया व्यवस्था, सत्तू, अन्न एवं फलदान करना बेहद पुण्यदायी माना जाता है। वैशाख माह में दान करने से व्यक्ति को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख मास भगवान विष्णु की उपासना के लिए समर्पित है। इस मास में स्नान-दान, जाप और तप करने से साधकों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। स्कंद पुराण में वैशाख माह को माधव मास कहा गया है। इस महीने में संयम, अहिंसा, आध्यात्म, स्वाध्याय और जनसेवा करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

वैशाख माह महत्व

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्।
न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंङ्गया समम्।।

वैशाख माह का महत्व बताते हुए इस श्लोक में कहा गया है कि वैशाख के समान कोई मास नहीं है, सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है, वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है। वैशाख को ब्रह्माजी ने सब मासों में उत्तम बताया है। पुराणों के अनुसार वैशाख मास माता की तरह सब जीवों की मनचाही इच्छाओं को पूरा करने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस महीने में जन कल्याण के खातिर देवी-देवता जल में निवास करते हैं।

वैशाख में जल दान को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है

- वैशाख में जल दान को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। इस महीने से गर्मी चरम पर होती है ऐसे में जो वैशाख के महीने में राहगीरों के लिए जल सेवा करता है, प्याउ लगाता है उसे पितर, देवता और समस्त ऋषियों का आशीर्वाद मिलता है। पितर भी तृप्त होते हैं।
- वैशाख के महीने में छायादार वृक्ष की सेवा, छाया चाहने वालों को छाता, गर्मी से त्रस्त व्यक्ति को पंखा, जूते-चप्पल, पशु-पक्षियों के लिए दाना, पानी की व्यवस्था करना चाहिए। इससे चार धाम तीर्थ और दस हजार राजसूय यज्ञ करने के समान फल प्राप्त होता है।
- वैशाख में भगवान विष्णु ने कई अवतार लिए थे, उनकी उपासना करें। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अक्षय तृतीया पर शुभ चीजों की खरीदारी करें।
- इस माह में खरमास खत्म होने के बाद भूमि, भवन, वाहन, सोना-चांदी आदि खरीदने से उसमें वृद्धि होती है। नए कार्य की शुरुआत के लिए वैशाख शुभ माना गया है।
- वैशाख में गर्मी की मात्रा तीव्र होती जाती है। ऐसे में दिनचर्या में जल का प्रयोग अधिक करें। मसालेदार और बासी चीजें खाने से बचें।
- सूर्योदय से पूर्व उठें और ठंडे पानी से स्नान कर कार्य शुरू करें।

मां का अपमान करने पर चंद्रग्रह देता है भयंकर सजा

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि है। अपने संतान की खुशी की खातिर एक मां दुनियाभर से लड़ सकती है। लेकिन जब एक संतान ही मां से लड़ बैठे या उसका अपमान करने लगे तो भले ही मां दयाभाव दिखाकर माफ कर दे, लेकिन ग्रहों के प्रकोप से आपको कोई नहीं बचा सकता और इसका दंड आपको जरूर मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्र ग्रह को मातृभाव का कारक ग्रह माना गया है। यानी चंद्रमा का संबंध माता से होता है। मां का अपमान करने से कुंडली में चंद्र दोष लगता है। चंद्र दोष के कारण व्यक्ति का जीवन कष्टदायक हो जाता है। उसे आनंद और शांति की प्राप्ति नहीं होती।

मां की परिभाषा अनंत है। मां की ममता का कोई मोल नहीं और मां के समान जग में कोई और नहीं। मां की इसी भूमिका को सेलिब्रेट करने के लिए दुनियाभर में मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो कि मां को समर्पित होता है। इस साल 2024 में मदर्स डे 12 मई को मनाया जाएगा।

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि है। अपने संतान की खुशी की खातिर एक मां दुनियाभर से लड़ सकती है। लेकिन जब एक संतान ही मां से लड़ बैठे या उसका अपमान करने लगे तो भले ही मां दयाभाव दिखाकर माफ कर दे, लेकिन ग्रहों के प्रकोप से आपको कोई नहीं बचा सकता और इसका दंड आपको जरूर मिलता है।

क्योंकि मां का अपमान करने या उन्हें दुःखी करने से कुंडली में ग्रह दोष उत्पन्न होते हैं। साथ ही जो संतान अपनी मां का अपमान करता है उसे जीवन में कभी सफलता नहीं मिलती और ऐसे लोग सुख-शांति से वंचित रह जाते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्र ग्रह को मातृभाव का कारक ग्रह माना गया है। यानी चंद्रमा का संबंध माता से होता है। मां का अपमान करने से कुंडली में चंद्र दोष लगता है। चंद्र दोष के कारण व्यक्ति का जीवन कष्टदायक हो जाता है। उसे आनंद और शांति की प्राप्ति नहीं होती। मां का अपमान करने वाले या उन्हें कटु वचन कहने वालों को मानसिक त्रास जैसी भयावह स्थिति से गुजरना पड़ता है। इसलिए रिश्तों को मजबूती देकर ग्रह को मजबूत और जीवन को सफल बनाएं।

कुंडली में चंद्र की स्थिति और मां के साथ संबंध

ज्योतिष के अनुसार मां के साथ संबंध अच्छे हों तो चंद्रमा की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है। इससे मानसिक स्थिति बेहतर होती है और व्यक्ति परेशानियों से निपटने में सक्षम होता है।

कुंडली के पहले भाव में चंद्रमा है तो व्यक्ति के भीतर मां के सभी लक्षण होते हैं और उन्हें मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसे लोगों का अपनी मां से बहुत लगाव होता है और वे उन्हें खुश रखते हैं। ऐसे लोग जीवन में खूब उन्नति करते हैं और उनका जीवन सुखी रहता है।

ज्योतिष के अनुसार कुंडली के चौथे भाव में चंद्रमा हो तो मां के गुण बच्चे को मिलते हैं। जिनकी कुंडली के चौथे भाव में चंद्रमा हो, उन्हें हमेशा अपनी मां के चरण छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। इससे जीवन में तरक्की होती है।

यदि कुंडली के सातवें घर में चंद्रमा हो तो कुछ समस्याएं हो सकती हैं। क्योंकि सातवां घर मां और पत्नी के बीच रिश्तों में तनाव पैदा कर सकता है.

कुंडली में आठवें भाव में चंद्रमा के होने पर व्यक्ति के मातृत्व सुख में कमी रहती है और शिक्षा का भी अभाव रहता है। क्योंकि आठवां भाव मंगल और शनि के अंतर्गत आता है। यदि इस भाव में चंद्रमा हो तो शिक्षा पर इसका प्रभाव पड़ता है। यदि किसी कारण शिक्षा अच्छी रही तो मां का जीवनकाल कम रहता है।

कुंडली के ग्यारहवें भाव और बारहवें भाव में चंद्रमा के होने के दिक्कतें होती हैं। ये दिक्कतें केतु के कारण हो सकती है। क्योंकि ग्यारहवें भाव में चंद्रमा के होने और चौथे भाव में केतु के होने से मां का जीवन खतरे में होता है। वहीं बारहवें भाव में चंद्रमा और चौथे भाव में केतु के होने से संतान और माता दोनों पर इसका असर पड़ता है।

मंगलसूत्र से जुड़ी 10 बातें हर सुहागिनों को जाननी चाहिए, सुहाग रहता है अमर

मंगलसूत्र का इतिहास काफी पुराना है। इसकी मान्याएं पौराणिक कथा-कहानियों में मिलती है। मंगलसूत्र का संबंध मां पार्वती और शिवजी से भी जुड़ा है। लेकिन हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अपने भाषण में मंगलसूत्र का जिक्र तो यह चर्चा में आ गया। मंगलसूत्र के बारे में हर विवाहित स्त्री को जानना चाहिए और इसके महत्व को समझना चाहिए। क्योंकि यह सुहाग का प्रतीक है। हिंदू धर्म में भी मंगलसूत्र का खास महत्व है। मंगलसूत्र केवल एक आभूषण मात्र नहीं बल्कि वैवाहिक जीवन का रक्षा कवच है।

मंगलसूत्र का अर्थ

मंगलसूत्र दो शब्दों से मिलकर बना है मंगल और सूत्र। इसमें मंगल का अर्थ 'पवित्र' से है और सूत्र का अर्थ 'हार' होता है यानी पवित्र हार। विवाहिताएं पति की दीर्घायु, जीवनरक्षा और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए विवाह के बाद मंगलसूत्र पहनती है। इसलिए हर विवाहित स्त्री को मंगलसूत्र से जुड़ी इन बातों के बारे में जरूर जानना चाहिए।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक हर विवाहति हिंदू महिला के गले में मंगलसूत्र होता है, जोकि उसके सुहाग की निशानी है। लेकिन अहम सवाल यह है कि, जिस मंगलसूत्र को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म है वह आखिर आया कहां से, इसे कब से पहना जा रहा है, इसका धार्मिक या पौराणिक महत्व क्या है और स्त्रियों को इसे क्यों और कैसे पहनना चाहिए।

मंगलसूत्र से जुड़ी 10 महत्वपूर्ण बातें

- शास्त्रों के अनुसार, हिंदू धर्म में मंगलसूत्र की शुरुआत शिव-पार्वती से हुई। जब शिवजी का विवाह पार्वती से हो रहा था, तब उन्हें सती की याद आई, उन्हें वह दृश्य याद आने लगे जब सती ने हवन की अग्नि में कूदकर अपनी जान दे दी। इसलिए भगवान शिव ने पार्वती की रक्षा के लिए पीले धागे में काले मोतियों का एक रक्षा सूत्र बांधा। इसका पीला भाग मां पार्वती और काले मोतियों को शिव का प्रतीक माना गया। इसके बाद से ही हिंदू धर्म में शादी के बाद मंगलसूत्र पहनने की परंपरा बन गई।
- मंगलसूत्र को वैवाहिक जीवन का रक्षा कवच भी माना जाता है। मंगलसूत्र का जिक्र आदि गुरु शंकराचार्य की पुस्तक 'सौदर्य लहरी' में भी मिलता है।
- मंगलसूत्र को लेकर अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता यह भी है कि, मंगलसूत्र में 9 मनके होते हैं, जोकि ऊर्जा का प्रतीक है और मां भगवती के नौ रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन 9 मनकों को पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि का प्रतीक माना जाता है।
- वहीं इतिहासकारों की माने तो मंगलसूत्र पहनने की शुरुआत छठी शताब्दी से हुई। क्योंकि इसके साक्ष्य मोहन जोदाड़ों की खुदाई में भी पाए गए। कहा जाता है कि, मंगलसूत्र सबसे पहले दक्षिण भारत में पहने जाते थे और धीरे-धीरे पूरे भारत में इसे पहना जाने लगा। अब तो केवल भारत ही बल्कि दूसरे देशों में भी विवाह के बाद इसे पहनने का रिवाज है।
- हिंदू धर्म में विवाह के बाद हर स्त्री गले में मंगलसूत्र पहनती है। इसे पति की लंबी आयु और सुहाग की रक्षा से जोड़ा जाता है। साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को बुरी नजरों से भी बचाता है। लेकिन मंगलसूत्र का खोना या टूट जाना बहुत अपशकुन माना जाता है।
- यह भी माना जाता है कि स्त्री के मंगलसूत्र पहनने से कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होते हैं या मंगल दोष दूर होता है।
- मंगलसूत्र अधिकतर सोने का ही पहना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सोने का संबंध बृहस्पति से होता है और गुरु सुखी व खुशहाल वैवाहिक जीवन के कारक ग्रह माने जाते हैं। वहीं सोना पहनने से सूर्य भी मजबूत होते हैं।
- मंगलसूत्र की काली मोतियों का संबंध शनि ग्रह से होता है। शनि जोकि स्थायित्व के प्रतीक हैं। ऐसे में सोने और काली मोतियों से बना मंगलसूत्र पहनने से सूर्य, गुरु और शनि का शुभ प्रभाव वैवाहिक जीवन पर पड़ता है।
- आजकल फैशन के तौर पर कई तरह के मंगलसूत्र बनने लगे हैं। लेकिन महिलाओं को ध्यान रखना चाहिए कि, मंगलसूत्र में सोने का पैंडेट और काली मोतियां जरूर होनी चाहिए। साथ ही मंगलसूत्र को कभी छिपाकर नहीं पहनना चाहिए।
- सुहागिन महिलाएं इस बात का भी ध्यान रखें कि, हिंदू परंपरा में पति के जीवित रहते हुए मंगलसूत्र उतारने का कोई विधान नहीं है। आप सूतक, पातक, ग्रहण या माहवारी आदि के दौरान भी इसे गले में पहन सकते हैं। यह कभी अशुद्ध नहीं होता है।

हनुमानजी सशरीर हैं तो वे अभी कहां हैं ?

हनुमाजी को अजर अमर होने के वरदान मिला है। वे एक कल्प तक धरती पर ही रहेंगे। इसी लिए कहते हैं कि "चारों जुग परताप तुम्हारा, है परसिद्ध जगत उजियारा॥" लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि वे सशरीर हैं तो इस वक्त कहां रहते हैं। क्या कहते हैं पुराण और अन्य तथ्य-

गंधमादन पर्वत पर हनुमानजी

हनुमानजी कलियुग में गंधमादन पर्वत पर निवास करते हैं, ऐसा श्रीमद भागवत में वर्णन आता है। उल्लेखनीय है कि अपने अज्ञातवास के समय हिमवंत पार करके पांडव गंधमादन के पास पहुंचे थे। एक बार भीम सहस्रदल कमल लेने के लिए गंधमादन पर्वत के वन में पहुंच गए थे, जहां उन्होंने हनुमान को लेटे देखा और फिर हनुमान ने भीम का घमंड चूर कर दिया था।

गंधमादन में ऋष, सिद्ध, चारण, विद्याधर, देवता, गंधर्व, अप्सराएं और किन्नर निवास करते हैं। वे सब यहां निर्भीक विचरण करते हैं। हिमालय के कैलाश पर्वत के उत्तर में (दक्षिण में केदार पर्वत है) स्थित गंधमादन पर्वत की। यह पर्वत कुबेर के राज्यक्षेत्र में था। सुमेरू पर्वत की चारों दिशाओं में स्थित गजदंत पर्वतों में से एक को उस काल में गंधमादन पर्वत कहा जाता था। आज यह क्षेत्र तिब्बत के इलाके में है। पुराणों के अनुसार जम्बूद्वीप के इलावृत्त खंड और भद्राश्व खंड के बीच में गंधमादन पर्वत कहा गया है, जो अपने सुगंधित वनों के लिए प्रसिद्ध था।

जहां रामकथा वहां हनुमानजी

यत्र-यत्र रघुनाथ कीर्तन तत्र कृत मस्तकान्जलि।
वाष्प वारि परिपूर्ण लोचनं मारुतिं नमत राक्षसान्तक॥

अर्थात : कलियुग में जहां-जहां भगवान श्रीराम की

कथा-कीर्तन इत्यादि होते हैं, वहां हनुमानजी गुप्त रूप से विराजमान रहते हैं।

सीताजी के वचनों के अनुसार- "अजर-अमर गुन निधि सुत होऊ।। करहु बहुत रघुनायक छोऊ॥"

यदि मनुष्य पूर्ण श्रद्धा और विश्वास से इनका आश्रय ग्रहण कर लें तो फिर तुलसीदासजी की भांति उसे भी हनुमान और राम-दर्शन होने में देर नहीं लगती।

27 गेंद में 84 का तूफान

जेक फ्रेजर को नीलामी में जिसे किसी ने नहीं खरीदा, उसने बुमराह की बैंड बजा दी, मुंबई को 258 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के युवा ओपनर जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 गेंद में 84 रन की धुआंधार पारी खेली। मैकगर्क तेजी से अपने पहले आईपीएल शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अनुभवी पीयूष चावला को बड़ा शॉट मारने के चक्कर में आठवें ओवर की तीसरी बॉल पर कैच आउट हो गए। इससे पहले 22 वर्षीय इस ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने सिर्फ 15 गेंद में अर्धशतक जड़ा था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ भी इतनी ही गेंद में उनके बल्ले से फिफ्टी निकली थी। यानी अब सीजन के सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहली और दूसरी पोजिशन इसी खतरनाक बल्लेबाज के नाम हो चुकी है। मैकगर्क को आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को रूप में दिल्ली ने अपने साथ जोड़ा था। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के लिए मुंबई इंडियंस को 258 रन का टारगेट दिया था।

इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक

- 15 गेंद - जेक फ्रेजर मैकगर्क - सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली
- 16 गेंद - अभिषेक शर्मा 1ह्य एमआई, हैदराबाद
- 16 गेंद - ट्रैविस हेड -कैपिटल्स, दिल्ली

बुमराह का छक्के से स्वागत

मैच के पहले ओवर में ल्यूक वुड के खिलाफ 19 रन धुनने के बाद जेक फ्रेजर मैकर्गक ने दूसरे ओवर में बुमराह की भी जमकर धुनाई की। पहली ही गेंद पर छक्के से स्वागत किया, जो नो बॉल भी थी। अगली गेंद को भी मिड ऑन पर चौके के लिए डिपॉजिट कर दिया। आखिरी गेंद पर भी बाउंड्री लगाई। बुमराह ने ओवर में 18 रन दिए, जो उनका सीजन का सबसे महंगा ओवर भी रहा।

जेक मैकर्गक का प्रदर्शन

- 84 मुंबई
- 23 -गुजरात
- 65 एसआरएस
- 20 गुजरात टाइंस
- 55 - लखनऊ

जैक फैजर ने 86 रन की पारी खेली, ट्रिस्टन स्टब्स ने 48 रन बनाए

आईपीएल 2024 में शनिवार को डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेले गए। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के लिए मुंबई इंडियंस को 258 रन का टारगेट दिया था। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया। दिल्ली ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 258 रन बनाए। दिल्ली के जैक फ्रेजर-मैगर्क ने 27 बॉल पर 84 रन की पारी खेली। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स ने 47 रन और शाई होप ने 41 रन बनाए। मुंबई की ओर से ल्यूक वुड, जसप्रीत बुमराह , पीयूष चावला और मोहम्मद नबी को 1-1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबी रेस के घोड़े

प्रोफेशनल क्रिकेट का सबसे तेज शतक मारने का रिकॉर्ड मैकगर्क के ही है। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में सेंचुरी ठोकी थी। उससे पहले सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने आईपीएल में 30 गेंदों पर सेंचुरी ठोकी थी। आज जेक फ्रेजर गेल को भी पछाड़ सकते थे, लेकिन उससे पहले आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने इस साल दो मैच खेलने का मौका मिला है, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज थी।

आर्चरी वर्ल्ड कप

भारत के तीरंदाजों ने वर्ल्ड कप में की गोल्ड मेडल की बरसात, चीन में लहराया तिरंगा

शंघाई (एजेंसी)। भारत ने गैर-ओलिंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में अपना दबदबा बनाते हुए शंघाई में चल रहे विश्व कप के पहले चरण में टीम स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप करते हुए गोल्ड मेडलों की हैट्रिक लगायी। सत्र के इस पहले वैश्विक टूर्नामेंट में भारत की महिला कंपाउंड टीम ने इटली को 236-225 से हराया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में सिर्फ चार अंक गंवाये और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराकर गोल्ड मेडल से खाता खोला। वहीं ज्योति सुरेखा वेन्नम ने महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में भी गोल्ड जीता।

एक दिन में भारत को चार गोल्ड

पुरुष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238-231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे। इसके बाद भारत की मिश्रित टीम ने कंपाउंड वर्ग में तीसरा गोल्ड मेडल जीतकर क्लीन स्वीप किया। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्योति और अभिषेक की जोड़ी ने एस्तोनिया की लिसेल जात्मा और रोबिन जात्मा की मिश्रित जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 158-157 से मात दी।

दीपिका भी मेडल की रेस में

दीपिका कुमारी व्यक्तिगत पदक की दौड़ में हैं और महिला रिकर्व वर्ग में दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना सेमीफाइनल खेलेंगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला कंपाउंड टीम ने दिन के पहले मैच में 24 तीरों से केवल चार अंक गंवाए और छठी वरीयता प्राप्त इटली को हरा दिया। छह छह तीरों के पहले सेट में भारतीय टीम ने सिर्फ दो बार परफेक्ट 10 नहीं बनाया और मार्सेला तोनिओली, इरेने फ्रांचिनी और एलिसा रोनेर की इतालवी टीम पर 178-171 से बढत बना ली।

चौथी वरीयता प्राप्त पुरूष टीम ने 60 स्कोर करके परफेक्ट शुरुआत की और अगले दो सेट में दो ही अंक गंवाये। इसके बाद फाइनल सेट में परफेक्ट 60 स्कोर करके जीत दर्ज की। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और अभिषेक ने 40 के स्कोर से परफेक्ट शुरूआत कर तीन अंक की बढ़त बनायी। भारतीय जोड़ी 119-117 की बढ़त बनाये थी और उसे अंत में 40 में से 39 अंक की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा करके देश को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया।

युवराज बने टी20 विश्व कप 2024 के ब्रांड एमबेस्डर, कहा- इसका हिस्सा बनना बहुत रोमांचक है

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 का ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नामित किया गया है। टी20 क्रिकेट के प्रमुख वैश्विक आयोजन के शुरू होने में केवल 36 दिन शेष हैं। यह घोषणा भारत के विजयी पुरुष टी20 विश्व कप 2007 अभियान के दौरान एक ओवर में छह छक्के लगाने की युवराज की प्रतिष्ठित उपलब्धि के जश्न में की गई है।

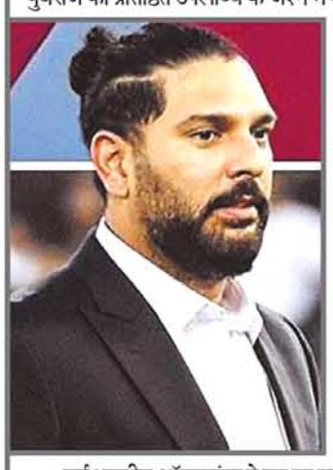

युवराज वेस्टइंडीज के आइकन क्रिस गेल और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता उसेन बोल्ट के साथ टूर्नामेंट के लिए घोषित होने वाले पहले एम्बेस्डर के रूप में शामिल हुए। अपनी भूमिका के तहत युवराज संयुक्त राज्य अमेरिका में टी20 विश्व कप से पहले और उसके दौरान विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेंगे जिसमें 9 जून को न्यूयॉर्क में बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मैच भी शामिल है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने इस पर कहा, टी20 विश्व कप में खेलने से मेरी कुछ सबसे अच्छी क्रिकेट यादें जुड़ी हैं, जिसमें एक ओवर में छह छक्के लगाना भी शामिल है, इसलिए इस संस्करण का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक है, जो अब तक का सबसे बड़ा संस्करण होने वाला है।

उन्होंने कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है, जहां प्रशंसक इसे देखने के लिए आते हैं और एक ऐसा माहौल बनाते हैं जो दुनिया के उस हिस्से के लिए पूरी तरह से अनोखा है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी क्रिकेट का विस्तार हो रहा है और मैं उस विकास का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। टी20 विश्व कप के दौरान न्यूयॉर्क में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मुकाबला इस साल दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक होने वाला है, इसलिए इसका हिस्सा बनना और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को नया स्टेडियम में खेलते देखना सौभाग्य की बात है।

क्रुणाल पांड्या दूसरी बार बने पिता, पत्नी पंखुड़ी शर्मा ने बेटे को दिया जन्म

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या दूसरी बार पिता बन गए हैं। भारतीय क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बच्चे के जन्म का खुलासा किया। क्रुणाल पांड्या की पोस्ट के अनुसार उनके बेटे वायु क्रुणाल पांड्या का जन्म पांच दिन पहले 21 अप्रैल को हुआ था।

क्रुणाल ने तीन तस्वीरें अपलोड की हैं जिनमें वह अपने बड़े बेटे कविर को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। नवजात शिशु को गोद में लिए हुए उनकी पत्नी पंखुड़ी शर्मा उनके बगल में बैठी हैं। पंड्या परिवार मुस्कुरा रहा था क्योंकि उन्होंने अपने परिवार में नए सदस्य का स्वागत किया।

बल्ले और गेंद में संतुलन जरूरी, हर जगह गेंदबाज पिट रहे : गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में सपाट पिचों पर और 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी के तौर पर अतिरिक्त बल्लेबाज की मौजूदगी से गेंदबाजों की दुर्दशा पर ध्यान दिलाते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड को बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। आईपीएल के इस चरण में अब तक की पिचें बल्लेबाजों के लिए मुफीद रही हैं। टीम अब आसानी से 200 रन का आंकड़ा पार कर रही हैं।

गांगुली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि गेंदबाजों के लिए यह आसान नहीं है। उनके खिलाफ हर जगह रन बनाए जा रहे हैं और भविष्य में इस ओर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि बल्ले और गेंद के बीच संतुलन रहना चाहिए। आईपीएल की संचालन संस्था ने मौजूदा सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच समानता के प्रयास में गेंदबाजों को अधिकतम दो बाउंसर डालने की भी अनुमति दी है। कुछ 'इम्पैक्ट% खिलाड़ी नियम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी में असंतुलन का कारण मानते हैं। गांगुली के अलावा महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी गेंदबाजों के संबंध में अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं।

बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर चल रही है। उसने 9 में से चार मुकाबले जीते हैं। बीते दिनों दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। अब उनके आगामी मुकाबले मुंबई, कोलकाता, राजस्थान, बेंगलुरु और लखनऊ से होने हैं। उन्हें प्लेऑफ में जाने के लिए सभी मुकाबलों में जीतना जरूरी है।

पंजाब ने टी-20 का सबसे बड़ा चेज किया लगे रिकॉर्ड 42 छक्के , पंजाब ने 24 सिक्स लगाए

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार की रात रिकॉर्ड-ब्रेकिंग रही। कोलकाता ने अपने होमग्राउंड पर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 261 रन बनाए। टूर्नामेंट के 17वें सीजन में 7वीं बार 250 से ज्यादा रन का स्कोर पार हुआ। इतना कम ही था कि पंजाब ने इस रिकॉर्ड स्कोर को 18.4 ही ओवर में चेज कर दिया। जो टी-20 इतिहास का सबसे सफल चेज है। मैच में कुल 42 छक्के लगे, जो एक टी-20 मैच में पहली बार ही हुआ।

तीरंदाजी विश्व कप: दीपिका कुमारी सेमीफाइनल में पहुंची, चार पदक पक्के

शंघाई (एजेंसी)। मां बनने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी ने कोरिया की जियोन हुनयंग को हराकर तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि कंपाउंड तीरंदाजों ने भारत का चौथा पदक पक्का कर दिया।

विश्व रैंकिंग में 142वें स्थान पर खिसकी तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने जियोन को 6-4 (27-28, 27-27, 29-28, 29-27, 28-28) से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना कोरिया की ही नैम सुहियोन से होगा। इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा की कंपाउंड मिश्रित टीम ने फाइनल में जगह बनाई दुनिया की दूसरे नंबर की टीम ने पांच ही अंक गंवाते हुए मैक्सिको की आंद्रिया बेसेरा और लोट मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155-151 से हराया। अब उनका सामना एस्तोनिया से होगा। ज्योति महिला कंपाउंड टीम में भी शामिल है जो बुधवार को फाइनल में पहुंच गई।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति पदक की हैट्रिक की दौड़ में है। भारतीय तीरंदाज चार टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंच गए और कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में ज्योति तथा प्रियांश सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक की दौड़ में हैं। भारतीय टीम कंपाउंड पुरूष, महिला, मिश्रित और पुरूष रिकर्व टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंची है।

ज्योति और वर्मा को पहले दौर में बाय मिला था जिसके बाद उन्होंने 160 में से 160 अंक बनाकर ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया ग्राहम और ब्रेंडन हावेस को आठ अंक से हराया। इसके बाद उन्होंने लक्जेमबर्ग की मारिया श्कोल्ना और जिलेस सेवर्ट को 155-151 से मात दी।

आज हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए बेताब होगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। लगातार हार का सामना करने वाली गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के लिए बेताब होगी। नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई में सत्र में अच्छी शुरुआत करने वाली सीएसके को पिछले दो मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स ने दो बार हराया है।

सीएसके को अपने ही मैदान चेपक स्टेडियम में हारते हुए देखना बहुत ही विरले होता है लेकिन मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने 210 का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। सीएसके आठ मैच में चार जीत और इतनी ही हार से तालिका में पांचवें स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के भी आठ अंक हैं। इसलिये सीएसके अपनी लय में वापसी के लिए बेताब होगी क्योंकि अब प्लेऑफ की दौड़ तेज हो जायेगी।

सीएसके रविवार को तीसरे नंबर पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी जिसने इस सत्र में दो बार आईपीएल के उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा है। लेकिन पिछले मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान गायकवाड़ और फॉर्म में चल रहे शिवम दुबे

के इर्द गिर्द घूमती है। गायकवाड़ ने इस सत्र में अपना दूसरा आईपीएल शतक बनाया है और दुबे ने भी एक और अर्धशतक जड़कर प्रभावित किया।

रविंद्र जडेजा ने भी बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन शीर्ष क्रम का अनिरंतर प्रदर्शन टीम के लिए एक समस्या बनी हुई है। रचिन रविंद्र और डेरिल मिचेल रन नहीं जुटा पा रहे हैं जो चिंता का विषय है। इसके कारण ही सीएसके को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

गेंदबाजी की बात की जाए तो टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ काफी मुश्किल हुई और चेपक में ओस ने उनके स्पिनरों को बेअसर कर दिया जिससे मेहमान टीम ने 213 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। तेज गेंदबाजों ने लखनऊ की टीम के चार विकेट झटक लिये लेकिन स्पिनर जूझते नजर आए और खराब क्षेत्ररक्षण ने उसकी उम्मीदों पर पानी फैर दिया।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की बात की जाये तो आत्मविश्वास से भरी टीम को गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से घरेलू मैदान पर सत्र की तीसरी हार झेलनी पड़ी। हालांकि इससे उसके बल्लेबाजों की लय में रूकावट नहीं होगी और वे सीएसके के खिलाफ मिले हर मौके का फायदा उठाना चाहेंगे।

आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद का शीर्ष और मध्य क्रम नाकाम रहा और मुख्य कोच डेनियल विटोरी को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना शायद सही नहीं होगा। मेहमान टीम के बल्लेबाजी क्रम में कोई फेरबदल होने की संभावना नहीं है। लेकिन ऐडन मार्कराम को रन जुटाने की जरूरत है जो पिछले दो मैच में इकाई के अंक पर आउट हुए।

गेंदबाजी में सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पिछले तीन मुकाबलों में सिर्फ एक विकेट ले पाये हैं। उमरान मलिक, फजलहक फारूकी और आकाश सिंह जैसे खिलाड़ी खेलने का इंतजार कर रहे हैं जिससे सनराइजर्स हैदराबाद एक बार उन्हें मौका देने के बारे में सोच सकती है, विशेषकर जम्मू के तेज गेंदबाज को क्योंकि वह 150 किमी प्रति घंटे से रफ्तार से गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।

संभावित प्लेइंग 11

चेन्नई सुपर किंग्स - रचिन रवींद्र, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेरिल मिशेल, शिवम दुबे, अजिंक्य रहाणे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (विकेटकीपर), दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मथीशा पथिराना, मुस्तफिजुर रहमान

सनराइजर्स हैदराबाद-अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, नितीश रेड्डी, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, जयदेव उनादकट

समय - शाम 7.30 बजे से।

सलमान खान को भी रिजेक्ट कर चुकी हैं दीपिका

दीपिका पादुकोण ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए खुद को लोगों के दिलों तक पहुंचाया है। दीपिका हिंदी सिनेमा की सफल एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्हें फीमेल हिट मीशन भी माना जाता है। अपने 17 साल के करियर में दीपिका ने एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में बड़े पर्दे पर पेश की हैं। एक्ट्रेस की अदाकारी के लोग दीवाने हैं। अपने अब तक के करियर में दीपिका ने कई बड़ी-बड़ी फिल्मों को ठोकर मारी है। जिसमें बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक के प्रोजेक्ट शामिल हैं। चलिए जानते हैं कि दीपिका ने किन फिल्मों को ठुकराया है।

आलिया भट्ट से पहले संजय लीला भंसाली ने ये फिल्म दीपिका को ऑफर की थी। ये फिल्म 2022 की सुपरहिट फिल्मों में से एक है। इससे पहले संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत और रासलीला में दीपिका ने लीड रोल निभाया है। रिपोर्ट की मानें तो दीपिका पादुकोण को रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार भी ऑफर की गई थी। लेकिन वह इसे कर नहीं पाईं। एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका ने कहा था कि काश वह इस फिल्म को कर पातीं। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इम्तियाज अली ने इसे डायरेक्ट किया था। दीपिका पादुकोण को सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म सुल्तान के लिए अप्रोच किया गया था। लेकिन माना जाता है कि एक्ट्रेस तब अपने दूसरे प्रोजेक्ट में बिजी चल रही थीं। जिसके चलते उन्हें इस बड़ी फिल्म का ऑफर ठुकराना पड़ा। दीपिका ने दो बार सलमान खान के साथ काम करने का मौका गंवाया है। उन्हें सुल्तान से पहले प्रेम रतन धन पायो में लीड रोल ऑफर किया गया था। लेकिन दीपिका ने इस रोल को भी ठुकरा दिया था। जिसके बाद ये पिक्चर सोनम कपूर को मिल गई थी।

कैटरीना कैफ ने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर तोड़ी चुप्पी

कैटरीना कैफ ने साल 2003 में फिल्म 'बूम' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। लेकिन इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया। कैटरीना आखिरी बार फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं। फैंस काफी समय से कैटरीना कैफ के हॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें हॉलीवुड से ऑफर मिला था लेकिन कुछ कारणों से उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया था।

कैटरीना कैफ ने बताया कि हॉलीवुड उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। कैटरीना कैफ ने कहा, मुझे यकीन है कि एक दिन यह होगा। मुझे यकीन है कि यह मेरी जिंदगी का नया चैप्टर होगा। तो तभी इस बारे में कुछ कहूंगी और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। कैटरीना ने कहा, साउथ इंडियन फिल्में करने के बाद ही उन्होंने बहुत कुछ सीखा। साउथ फिल्मों में काम करने के बाद उन्हें आगे फिल्में मिलीं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स से उनकी पहचान हुई।

प्रियंका चोपड़ा का हॉलीवुड सफर आसान नहीं

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का दम दिखा चुकीं प्रियंका चोपड़ा अब एक ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अब तक कई बड़े-बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है और उनके पास फिलहाल कई और बड़े प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में भी हैं। हॉलीवुड में पीसी ने अपना करियर सेट कर लिया है। प्रियंका के पास काम की कोई कमी नहीं है, बल्कि अब उनके पास हिंदी फिल्मों के लिए समय की कमी पड़ रही हैं। एक्ट्रेस ने साल 2017 में हॉलीवुड का रुख किया था। प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में कदम रखने के दौरान अपने डार्क फेज को लेकर बात की। उन्होंने अपने स्ट्रगल को सभी के साथ शेयर किया। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वह इन सबसे कैसे बाहर निकलीं।

कैवनॉघ जेम्स के 'रीड द रूम' के साथ हाल ही में एक पॉडकास्ट में, प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने शुरुआती समय को याद करते हुए अपने जीवन के डार्क फेज को भी याद किया। जो उनके लिए एक मुश्किल दौर था। प्रियंका ने कहा कि, "ये वो इंडस्ट्री थी जिसे मैं नहीं जानती थी, यहां के लोग, मैं नहीं जानती थी, मेरे पास दोस्त नहीं थे जो फोन करते सुबह के 2 बजे। यह बहुत जरूरी था। मैं बहुत अकेली थी और यह बहुत डरावना था। मैं न्यूयॉर्क शहर में थी, वैसे भी, यह मेरी लाइफ का एक डार्क पीरियड था।" उन्होंने आगे कहा कि छह मैगज़ीन कवर के साथ अपने देश में दबदबा बनाने के बावजूद, हॉलीवुड ने उन्हें अपने करियर को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर किया। प्रियंका को बड़ा झटका तब लगा, जब एक मुलाकात के लिए उन्हें लोग साफ इनकार कर दिया करते थे। लेकिन एक्ट्रेस ने मुश्किल दौर को खुद को तोड़ने नहीं दिया। अपनी बात को समझाते हुए प्रियंका ने आगे बताया कि, "मैं बहुत एम्बिशियस महिला हूं। मैं बहुत तेज दौड़ती हूं। मैं चाहती हूं कि सब कुछ सोल्व हो जाए। मैं सौल्यूशन-ओरिएंटेड हूं। हालांकि, ऐसे मौके आते हैं जब कोई ओप्शन मौजूद नहीं होता है और आपको सिच्यूएशन को एक्सेप्ट करना चाहिए। यही वह सबक है जिसने सक्षम बनाया है। मुझे लहर से लड़ने के बजाय उस पर सवार होना है।"

वरुण के साथ एक्शन कॉमेडी फिल्म में दिखेंगे टाइगर !

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ हाल ही में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बड़े मिया छोटे मियां' में नजर आए हैं। इस फिल्म में दोनों स्टार्स जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। अब खबर आ रही है कि टाइगर श्रॉफ जल्द ही वरुण धवन के साथ एक एक्शन कॉमेडी फिल्म में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म को राज मेहता निर्देशित करने वाले हैं। वहीं इस फिल्म का निर्माण करण जौहर करेंगे।

इस फिल्म के डायलॉग्स पर अनुराग कश्यप काम करने वाले हैं। इस फिल्म में पहली बार टाइगर और वरुण साथ में स्क्रीन साझा करते दिखाई देंगे। खबरों के अनुसार फिल्म के 2025 में फ्लोर पर आने की संभावना है। इसकी स्क्रिप्ट सुमित रॉय ने लिखी है। फिल्म का अभी नाम तय नहीं किया गया है।

निर्माता रविंद्र टुटेजा के जन्मदिन पर शामिल हुई जानी-मानी हस्तियां

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सितारों के साथ फिल्म निर्माता और अभिनेता रविंद्र टुटेजा ने अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर टीवी स्क्रीन पर सबसे पॉपुलर शो भाभी जी घर पर है की स्टार कास्ट के साथ अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे जिन्होंने रविंद्र टुटेजा को उनके जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वहीं अब उनके जन्मदिन की तस्वीर है सोशल मीडिया में वायरल हो रही है जहां वे कई सेलिब्रिटी या गेस्ट के साथ हुकअप करते नजर आ रहे हैं।

इनमें भाभी जी घर पर हैं से रोहितास गौर उर्फ तिवारी जी, सलीम जैदी उर्फ टिल्लू, विश्वजीत सोनी उर्फ प्रेम चौधरी, किशोर भानुशाली उर्फ जूनियर देवानंद, जीतू गुप्ता उर्फ डॉक्टर कम तांत्रिक, वैभव माथुर उर्फ टिका राम, अनूप उपाध्याय उर्फ चाचा, अवनीत जी, कॉमेडी शो किंग के विनर उदय दहिया, मॉडल सिमरन बग्गा, अभिनेत्री राजसी वर्मा, पीहू शर्मा, पूजा राव, प्रीति पुनीत, इंदरानी तांदुलकर, बॉलीवुड प्रोड्यूसर डिस्ट्रीब्यूटर इसरार अहमद, भोजपुरी प्रोड्यूसर प्रदीप सिंह भैया, अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत, अभिनेत्री श्रुति राव, कानपुर की जानी मानी हस्ती राजेश भल्ला, फैशन वर्ल्ड से श्याम भाटिया, फैशन डिजाइनर रितु गोयल, जानी मानी हस्ती सुहेल अहमद और डीसीपी हेमंत जी, सिंगर प्रकाश जी,लाफ्टर चैलेंज विजेता सुनील प्रभाकर (पहचान कौन) और पी आर ओ रंजन सिन्हा प्रमुख हैं। रविंद्र टुटेजा की पार्टी में सबों ने मिलकर चार चांद लगा दिए। रविंद्र टुटेजा इससे पहले बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मों में सक्रिय रहे हैं और उन्होंने भाभी जी घर पर हैं धारावाहिक में भी अपनी अदाकारी से सबों का ध्यान आकर्षित किया था इसके अलावे में फिल्में भी प्रोड्यूस करते हैं।

नेपोटिज्म पर बोली परिणीति

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा हाल ही में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई हैं। इस फिल्म में परिणीति की एक्टिंग की जमकर तारीफ हो रही है। परिणीति ने अपनी मेहनत से फिल्म इंडस्ट्री में अलग मुकाम हासिल किया है। हाल ही में उन्होंने नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म पर बात की है। एक पॉडकास्ट के दौरान परिणीति चोपड़ा ने नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा, लोग नेपोटिज्म की बात करते हैं, लेकिन उन लोगों पर और ज्यादा दबाव होता है जिसका कोई इंडस्ट्री में होता है। उनकी वजह से आपको पहला मौका मिल जाता है लेकिन लोग स्टार का बच्चा सुपरस्टार की बहन कहते हैं।

परिणीति ने कहा, यदि आप काम अच्छा नहीं करेंगे तो दर्शक रिजेक्ट कर देंगे। यदि मेरी बहन (प्रियंका चोपड़ा) उस दिन यशराज फिल्म्स में शूटिंग न कर रही होती, जिस दिन मैं वहां मार्केटिंग की नौकरी पाने के लिए गई थी, तो वह मुझे नहीं मिलती। उन्होंने कहा, मेरे घर से कोई एक्टर हैं, इसलिए मैं किसी फिल्म के सेट पर जा पाई, लेकिन बहन के स्टार होने से मुझे कोई फायदा नहीं हुआ, नहीं तो मेरी भी फिल्में चलती। दस सालों में मैंने बहुत बुरा वक्त देखा है। अगर प्रियंका चोपड़ा मेरी बहन है तो इसका कतई ये मतलब नहीं कि मुझे इस चीज का मेरे करियर में फायदा मिला है। ऐसा होता तो मेरी फिल्में फ्लॉप नहीं होती। परिणीति ने कहा, अगर आप किसी फिल्मी परिवार से हैं या किसी के रिश्तेदार हैं तो आप पर प्रेशर डबल हो जाता है। ये जरूर हो सकता है कि आपको पहला चांस, पहला ऑडिशन या पहली मीटिंग आसानी से मिल जाए, लेकिन उसके बाद आपको खुद ही अपने आप को साबित करना पड़ता है।

ब्रालेस होकर भूमि ने मचाई सनसनी

भूमि पेडनेकर ने व्हाइट कलर की बेहद रिवीलिंग ड्रेस में कुछ तस्वीरें शेयर की है। एक्ट्रेस ने ड्रेप स्कर्ट कैरी किया है। यह स्कर्ट सिर्फ एक पतली सी डोरी के सहारे टिका हुआ है।

इसके साथ भूमि ने क्रॉप्ड लेदर ब्लेजर कैरी किया है। ब्लेजर के साथ एक्ट्रेस ने कुछ नहीं पहना है। इसके साथ भूमि ने फीमेल डमी वाला पर्स कैरी किया है। तस्वीरों में भूमि पेडनेकर अपना कर्वी फिगर और क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। भूमि पेडनेकर ने ग्लॉसी मेकअप और खुले बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, A decade of dreams.

जब संजय लीला भंसाली के पास काम मांगने गए फरदीन खान

बॉलीवुड एक्टर फरदीन खान करीब 12 साल बाद संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' से एक्टिंग की दुनिया में कमबैक करने जा रहे हैं। इस सीरीज में फरदीन नवाब वली मोहम्मद का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में फरदीन की खूब तारीफ हुई है। फरदीन खान ने बताया कि वह 2000 के दशक की शुरुआत में संजय लीला भंसाली के पास काम मांगने गए थे, लेकिन उन्होंने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। फरदीन खान ने कहा,आपको एक स्टोरी बताता हूं, जो मैंने संजय सर को तब याद दिलाई, जब हाल ही वली मोहम्मद के किरदार के लिए मिलने गया।

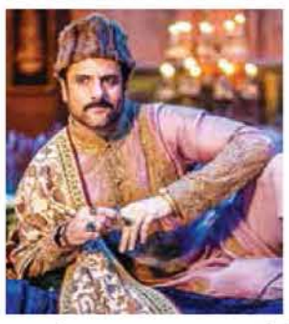

मैं 2000s की शुरुआत में उनके ऑफिस गया था। मैं उनके साथ काम करना चाहता था और इसी तलाश में वहां गया था। एक्टर ने कहा, संजय लीला भंसाली मुझसे मिले और हमने बैठकर करीब 10-15 मिनट तक बात की। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि फरदीन मुझे नहीं लगता कि हम साथ काम कर सकते हैं क्योंकि मुझे तुम्हारी आंखों में फायर नजर नहीं आता। उस समय निश्चित रूप से यह बहुत क्रूरता भरा लगा था, लेकिन मैं खुद भी वही सुनना चाहता था। मुझे उसकी जरूरत थी।

आमिर खान को किसने दिया मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग ?

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान पहली बार कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में गेस्ट बनकर आने वाले हैं। इस शो में आमिर जमकर मस्ती-मजाक करते दिखेंगे। साथ ही वह अपनी लाइफ के कई राज भी खोलेंगे। शो में कपिल अवॉर्ड शो में नहीं जाने की वजह और तीसरी शादी को लेकर भी बात करते दिखेंगे। इसके अलावा आमिर खान इस राज से भी पर्दा उठाएंगे की उन्हें 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' का टैग किसने और क्यों दिया था। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने बताया कि दिग्गज एक्ट्रेस शबाना आजमी ने उन्हें 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' का टैग दिया था। आमिर खान ने टैग मिलने की वजह बताते हुए कहा, बात उन दिनों की है, जब मैं फिल्म इंद्र कुमार की फिल्म 'दिल' की शूटिंग कर रहा था। उस फिल्म के कैमरामैन बाबा आजमी थे। हम लोग बाबा आजमी के घर पर फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे थे। आमिर ने बताया, तब शबाना आजमी ने उन्हें चाय ऑफर की थी। उन्होंने आमिर को चाय देते हुए पूछा कि वह चाय में चीनी कितनी लेंगे। तब एक्टर ने शबाना आजमी की तरफ देखा और पूछा, 'ग्लास कितना बड़ा है?'

शबाना आजमी ने उन्हें कप दिखाया तो आमिर ने उनसे पूछा, 'चमचा कितना बड़ा है?' और अंत में अपनी चाय में एक चम्मच चीनी डालने को कहा। आमिर ने बताया कि कैसे शबाना आजमी ने लोगों को इस घटना के बारे में बताते हुए कहा था कि अगर आप कभी आमिर खान से उनकी चाय में चीनी पूछेंगे, तो वह सबसे पहले आपसे कप साइज पूछेंगे और इस तरह उन्हें 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' का टैग मिला।

प्यार के दो नाम का जलवा

प्यार के कई रंग, रूप और नाम होते है। जिसे बॉलीवूड में देखने को मिलते है। ऐसे ही एक मॉडर्न डेज लव स्टोरी 'प्यार के दो नाम' की प्रेस कॉनफेरेन्स मुंबई में आयोजित की गई। जिसमें फिल्म की पूरी स्टार कास्ट ने शिरकत की जिसमें शामिल हुए अभिनेता भव्या सचदेवा, अचल टंकवाल अभिनेत्री अंकिता साहू, कनिका गौतम, रोमा नवानी, नमिता लाल, लेखक निर्देशक दानिश जावेद, को प्रोडूसर शहाब इलाहबादी और संगीतकार अंजन भट्टाचार्य। रिलायंस एंटरटेनमेंट और जोकुलर एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की इस फिल्म में विश्व के दो महान नेताओं की प्यार की परिभाषा को दर्शाया गया है। फिल्म 'एक दूजे के लिए' या 'एक दूसरे के साथ' इस टैग लाइन पर आधारित हैं। इश्क सुभानअल्लाह सूफियाना, प्यार मेरा एवं सन्यासी मेरा नाम जैसे रोमांटिक सीरियल एवं फिल्मों के लेखक दानिश जावेद द्वारा निर्देशित फ़िल्म 'प्यार के दो नाम' एक आधुनिक प्रेम कहानी हैं जो युवाओं के बीच में प्यार को लेकर आधुनिक सोच को बहुत ही इमोशनल तरीके से प्रस्तुत करती हैं। फ़िल्म के टीजर में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में आयोजित एक पीस सेमिनार में आर्यन खन्ना (भव्या सचदेवा) नेल्सन मंडेला और कायरा सिंह (अंकिता साहू) महात्मा गाँधी पर अपनी रिसर्च प्रस्तुत करते नजर आ रहे हैं। दोनों की नोक झोंक यहाँ देखने को मिलती है। साथ ही फिल्म में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का कैंपस भी देखने को मिलेगा। रिलायंस एंटरटेनमेंट और जोकुलर एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की फ़िल्म 'प्यार के दो नाम' में मुख्य भूमिका में भव्या सचदेवा, अंकिता साहू के साथ कनिका गौतम, अचल टंकवाल, दीप्ति मिश्रा, नमिता लाल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएँगे।

सामान्य प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने की स्क्रूटनी

राजनीतिक दल के प्रत्याशी/प्रतिनिधि एवं अधिकारी रहे उपस्थित

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र-13 में मतदान के उपरांत फूल मंडी नोएडा फेस-2 मे सामान्य प्रेक्षक सिमरनदीप सिंह व जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजनीतिक दलों के प्रत्याशी/प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 13- गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा नोएडा, दादरी, जेवर, सिकंदराबाद, खुर्जा के मतदान प्रतिशत को लेकर बूथों की स्क्रूटनी की गयी। सर्वप्रथम सामान्य प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी से सामान्य प्रेक्षक को अवगत कराया गया। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के उपरांत सामान्य प्रेक्षक द्वारा कम एवं ज्यादा वोटिंग परसेंटेज वाले बूथों की जानकारी प्राप्त की एवं राजनीतिक दलों के प्रत्याशी/प्रतिनिधियों से वार्ता की।

सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के बारे में तकनीकी बिंदुओं के बारे में सामान्य प्रेक्षक को विस्तार से अवगत कराया गया। सामान्य प्रेक्षक द्वारा विधानसभा नोएडा, दादरी, जेवर, सिकंदराबाद एवं खुर्जा के निर्वाचन से संबंधित अभिलेखों तथा पीठासीन अधिकारियों के डायरी और वोटर रजिस्टर का अवलोकन किया गया। जांच के उपरांत सामान्य प्रेक्षक द्वारा बताया गया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में मतदान स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से निष्पादित किया गया।

इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान, सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, सहायक रिटर्निंग अधिकारी जेवर अभय सिंह, सहायक रिटर्निंग अधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्र, सहायक रिटर्निंग अधिकारी वेद प्रकाश पांडेय, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव, अनुज नेहरा, संबंधित जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट, एआरओ, संबंधित अधिकारी सिकंदराबाद, खुर्जा एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीटेक छात्र की गोली मारकर हत्या

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र की पैरामाउंट सिंफनी सोसायटी में शनिवार तड़के एक फ्लैट में बीटेक के छात्र विपुल वर्मा (25) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसका आरोप सीमा सुरक्षा बल से सेवानिवृत्त राजेश पर है।

उसने खुद पुलिस को कॉल कर कहा, बेटी दीप्ति को विपुल नाम का लड़का परेशान कर रहा था, उसे मार दिया है। पुलिस पहुंची तो राजेश वहीं मिला। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने बताया है कि दीप्ति और विपुल में गहरी दोस्ती थी। कुछ दिन पहले दीप्ति की किसी और युवक से भी दोस्ती हो गई। इसी पर विपुल से उसकी अनबन होने लगी। विपुल ने बेटी को भला-बुरा कह दिया। वह तनाव में आ गई। उसने फोन पर अपनी पीड़ा बंगलूरू में रहने वाले अपने तहेरे भाई को बताई। भतीजे ने उन्हें बताया। इस पर वह बेटी को अपने साथ लेने के लिए आया था।

नोएडा की एक कंपनी में काम करने वाली बेटी 14वीं मंजिल पर फ्लैट में रहती है। वह फ्लैट पर पहुंचे तो बेटी की आंखों में आंसू थे। उसने बताया कि विपुल उसे बहुत परेशान कर रहा है। दिल्ली की एक कंपनी में पीएसओ के पद पर काम करने वाले राजेश ने पुलिस को बताया कि वह बेटी को अपने साथ ले जाना चाहते थे। सोचा, एक बार विपुल से बात कर ली जाए। इसलिए, फोन करके उसे बेटी के फ्लैट पर बुला लिया।

उससे बातचीत के दौरान गुस्सा आ गया। गुस्सा इतना तेज था कि वह खुद पर काबू नहीं रहा। पहले उसे थप्पड़ मारा। इस पर भी वह भला-बुला बोलता रहा। इस पर पिस्टल निकाल ली। उसमें पांच गोलियां थीं। पांचों चला दीं।

विपुल के पिता बृजेश कुमार ने तहरीर दी है। हत्या का केस दर्ज कर लिया है। आरोपी ने जुर्म कुबूल कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल पिस्टल भी उसके पास मिल गई है। विपुल बलिया का निवासी था। आरोपी भी मूल रूप से बलिया का ही निवासी है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी राजेश ने पूरा घटनाक्रम बताया। उसका कहना था कि उसे बेटी की बातें सुनकर ही विपुल पर बहुत गुस्सा आ गया था। जब विपुल ने उसने सामने भी बेटी को गलत ठहराने की कोशिश की तो इसने आग में घी का काम किया। उसने उसे पहले एक थप्पड़ जड़ा। इसके बाद भी न तो वह डरा और न ही उसने माफी मांगी। उल्टा कहने लगा कि उसकी कोई गलती नहीं। जो भी गलती है, दीप्ति की है। इस पर गुस्सा और भड़क गया। उसे एक गोली मार दी।

यह सिर में लगी। वह फर्श पर गिर पड़ा। तब तक वह ठान चुके थे कि उसे जीवित नहीं छोड़ना है। इसलिए, पूरी पिस्टल उस पर खाली कर दी। तड़के साढ़े तीन बजे सोसायटी में लोग गहरी नींद में सोए थे। अचानक गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। वे लोग सकते में आ गए। लगा कि कोई बड़ी घटना हुई है। पुलिस जैसे ही दीप्ति के फ्लैट में पहुंची तो वहां आसपास के लोग भी आ गए।

एनसीआर में बढ़ी बिना बिके फ्लैट्स की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। सरकार के पूर्व में किए गए प्रयास से रियल एस्टेट सेक्टर की सेहत में सुधार होने लगी है। अच्छी खबर है कि एनसीआर के शहरों में तेजी से बिना बिके फ्लैट (अनसोल्ड इन्वेंट्री) की बिक्री बढ़ी है। वर्ष 2024 के तीन माह 27 प्रतिशत अनसोल्ड इन्वेंट्री कम हुई है, जो अन्य रियल्टी सेक्टरों में सबसे ज्यादा बतायी जा रही है।

यह जानकारी रियल एस्टेट सेक्टर की सर्वे एजेंसी एनराक की रिपोर्ट से सार्वजनिक हुई है, जिसमें बताया गया है कि नई इन्वेंट्री में 47 प्रतिशत तक की कमी आयी है। वर्ष 2024 के पहले तिमाही में केवल 7270 यूनिट बाजार में आए है जबकि इसी दौरान 2023 में 12,450 यूनिट लांच हुए थे।

एनसीआर में नोएडा और ग्रेटर नोएडा आज भी घर खरीदारों की पहली पसंद है। जहां इन्वेंट्री की कोई कमी नहीं है। समय के साथ बदले माहौल में अधूरे प्रोजेक्ट में नई आशा की किरण दिखाई है, जिससे सालों से अधूरे और बंद पड़े प्रोजेक्ट अब दोबारा बनने लगे है।

नए प्रोजेक्ट के बदले जल्दी पजेशन का दावा कर रहे है। इस कारण एनसीआर की अनसोल्ड इन्वेंट्री अभी अन्य शहरों की सबसे तुलना में सबसे कम रह गई है। केडब्ल्यू ग्रुप के निदेशक पंकज कुमार जैन ने बताया कि रियल एस्टेट सेक्टर के बदलते ट्रेंड सभी के लिए अच्छा संकेत है।

अभी प्रोमोटर्स अपना पूरा ध्यान अपने प्रोजेक्ट के शेष हिस्सों को जल्द से जल्द पूरा करने में लगा रहे है क्योंकि इन प्रोजेक्ट्स में पहले से कब्जा (पजेशन) दिया जा चुका है, काम किसी भी ने प्रोजेक्ट की तुलना में कम है। इसका प्रभाव दूसरी तरफ भी पड़ा है। जहां इसी तिमाही में नए प्रोजेक्ट लांच में कमी दर्ज की गई है।

क्रेडाई पश्चिमी यूपी के सचिव दिनेश गुप्ता का कहना है कि रियल एस्टेट सेक्टर में घर खरीदार छह से 12 माह या रेडी टू मूव वाले प्रोजेक्ट को विकल्प के रूप में चुन रहे है। नए प्रोजेक्ट आते रहेंगे क्योंकि बाजार में मांग लगातार बनी हुई है, लेकिन अनसोल्ड इनवेंट्री का कम होना निश्चय ही पूरे रियल एस्टेट सेक्टर के लिए अच्छी खबर है।

जिला अस्पताल में अब खुलेंगे चाइल्ड पीजीआई के विभाग

नोएडा। सेक्टर-30 में जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में अब चाइल्ड पीजीआई के चार विभाग शिफ्ट किए जाएंगे। जिला अस्पताल की बिल्डिंग के हैंडओवर होने के बाद विभागों का भी चयन कर लिया गया है। चाइल्ड पीजीआई के निदेशक प्रो. अरुण कुमार सिंह ने शिफ्ट करने के लिए आदेश भी कर दिए हैं। निदेशक ने बताया कि जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग का हैंडओवर हो गया है। कुछ भाग में अभी जिला अस्पताल का सामान रखा है। उसको भी जिला अस्पताल जल्दी खाली कर देगा। ऐसे में बिल्डिंग का उपयोग भी शुरू कराने की प्रक्रिया पूरी करा रहे हैं। एक साल से अधिक समय से यह बिल्डिंग बिना उपयोग के है। ऐसे में जरूरी रिनोवेशन के बाद यहां विभाग शिफ्ट किए जाएंगे। जो विभाग शिफ्ट किए जाएंगे। उनमें पांचवे तल पर मौजूद माइक्रोबायलॉजी और बायोकेमिस्ट्री विभाग शामिल हैं। इन दोनों ही विभाग को अपने विस्तार के लिए ज्यादा जगह की जरूरत है। इसके अलावा मरीजों की सुविधा के लिए पैथोलॉजी भी जिला अस्पताल में शिफ्ट की जाएगी। पीडियॉट्रिक डेंटिस्ट्री भी जिला अस्पताल की इमारत में रखने की योजना है। 2023 की शुरुआत में जिला अस्पताल के सेक्टर-39 स्थित कोविड अस्पताल में शिफ्ट होने के बाद यह बिल्डिंग उपयोग में नहीं थी। यहां जिला अस्पताल का पुराना सामान रखा हुआ था। केवल कुछ समय सीटी स्कैन मशीन जिला अस्पताल की चलती रही, जिसे कुछ महीने के बाद 2024 की शुरुआत में शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद भी यह बिल्डिंग यहां मौजूद बचे हुए सामान के हटाने के नाम पर हैंडओवर नहीं हो पाई।

रवि काना ने उगले कई अधिकारियों और नेताओं के नाम

ग्रेटर नोएडा। पुलिस पूछताछ में स्क्रैप माफिया रवि काना और काजल कई अहम खुलासे किए हैं। रवि ने संरक्षण देने वालों जिन लोगों के नाम बताए हैं उनमें 30 से ज्यादा अधिकारी और 40 से ज्यादा नेता और मीडियाकर्मी शामिल हैं। पुलिस ने पूछताछ का तस्करा थाने के रोजनामचे में भी डाला है। हालांकि बड़े लोगों के नाम सामने आने के बाद अधिकारियों ने इस मामले में चुप्पी साध ली है। फिलहाल अधिकारी जांच जारी होने और कानून अपना काम करेगा जैसी बातें कह रहे हैं।

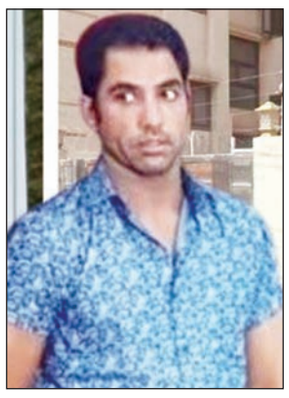

रवि काना पर 30 दिसंबर 2023 को सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके एक दिन बाद ही गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। रवि की पहुंच इतनी थी कि मददगारों ने उसे पहले ही आगाह कर दिया था। यही वजह रही कि वह इन मुकदमों के दर्ज होने से पहले ही विदेश भाग गया। मुकदमे दर्ज होने के बाद पुलिस ने स्थानीय स्तर पर माफिया के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू किया। इसी क्रम में पुलिस रवि के गांव दादूपुर पहुंची। वहां पर एक बड़े नेता का छह फीट लंबा फोटो और उसमें रवि की नजदीकी देख पुलिस हैरान रह गई। अहम है कि इससे पहले रवि वर्ष 2018 में गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद पांच साल तक वह अपराध में लिप्त रहा। इस दौरान उसे नेताओं और अधिकारियों का संरक्षण मिला। बताया जाता है कि यही वजह रही कि उसका काला कारोबार बढ़ता चला गया। यह सभी अब जांच के दायरे में है।

गिरफ्तार किए जाने के बाद रवि काना को अपनी सुरक्षा का डर सता रहा है। थाना नॉलेज पार्क में पुलिस हिरासत में उसे जिस कमरे में रखा गया उसमें खिड़की भी थी। बताया जाता है कि उसने पुलिस से खिड़की के पास नहीं रखने की गुहार लगाई। उसने हमला होने की आशंका जताई। पूछताछ के दौरान रवि ने पुलिस अधिकारियों के सामने भी यही बात दोहराई।

रवि काना और काजल झा को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया गया तो वहां पर रवि की मां और बहन के अलावा परिवार के लोग पहुंचे। हालांकि रवि परिजनों से मुलाकात नहीं कर सका।

प्राचीन बाराही मेला-2024

'बोस ऐसी साडी लिया दे, हो जिसकी चमक निराली'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे प्राचीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2024 के पाचवें दिन शुक्रवार को रागनियों की धूम रही। प्रति दिन की भांति बाराही मेले के सर्वोत्तम मंच संस्कृति मंच से रात्रिकालीन कार्यक्रमों की शुरूआत सरस्वती वंदना और आरती के साथ हुई। लार्ड गणेश पब्लिक स्कूल के बच्चों ने गीत संगीत और नृत्य की प्रस्तुति देते हुए लोगों का मन मोह लिया। सूरजपुर की बाल कलाकार चांदनी ने विशेष गीत की प्रस्तुति देते हुए लोगों का मन मोह लिया। शिव मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल और बिजेंद्र ठेकेदार, भीम खारी, टेकचंद प्रधान, विनोद पंडित तेल वाले, योगेश अग्रवाल, अनिल कपासिया, जगदीश भाटी एडवोकेट, अजय शर्मा एडवोकेट, राजपाल भडाना, महाराज सिंह उर्फ पप्पू आदि पदाधिकाारयों ने लार्ड गणेश पब्लिक स्कूल के बच्चों को बेहतर प्रस्तुति देने पर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मनित किया।

पांचवें दिन रहा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

रात्रिकालीन कार्यक्रमों की श्रंखला में संस्कृति मंच से रणवीर भडाना, राधा चौधरी एंड पार्टी के कलाकारों में रोहताश दायमा, जिले नागर, अर्जुन ने एक से बढ कर एक प्रस्तुति देते हुए लोगों का मन मोह लिया। प्रियंका चौधरी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करते हुए खूब धमाल मचाया। राजस्थान के मंजू और राजबाला सपेरा एंड पार्टी के कलाकारों ने संस्कृति मंच पर आकर नृत्य का लोहा मनवाया। प्रियंका चौधरी और राजस्थानी कलाकार दुर्गा के बीच नृत्य के मुकाबले ने लोगों का मन मोह लिया। रागनी कलाकार अर्जुन ने चक्रव्यूह की रचना होने पर अभिमन्यु के युद्ध पर जाने पर किस्से से- **चेहरे पर छा रही उदासी क्यों, रंज मना रहे क्यों, अभिमन्यु के होते हुए ताउ क्यों ख्याल करें...**और रोहताश दायमा ने देश भक्ति सुभाष चंद बोस प्रसंग से--- **बोस ऐसी साडी लिया दे, हो जिसकी चमक निराली....** एवं रणवीर भडाना ने नरसी भात से प्रस्तुति देते हुए लोगों का मन मोह लिया। राधा चौधरी ने उपदेशात्मक भजन-- **तृष्णा रूपी झगडा जग में, हे तृष्णा न्यारी न्यारी...** प्रस्तुत करते हुए खूब तालियां बटोरीं। रोहताश दायमा और राधा चौधरी ने सत्यवान सवित्री की कथा रागनी प्रस्तुत करते हुए लोगों को खूब गुदगुदाया। रागनी कलाकारों का स्वागत शिव मंदिर सेवा समिति की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए किया गया। रागनियों के इस रंगारंग कार्यक्रम में अतिथिगण के तौर ब्रजपाल अवाना, धर्मपाल चौहान, जसवीर लोहिया एडवोकेट ने शिकरत करते हुए कलाकारों की हौसला अफजाई की। रात्रिकालीन कार्यक्रम का समापन प्रति दिन की भांति हनुमान चालीसा पाठ करते हुए शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों और उपस्थित लोगों ने किया।

मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 28 अप्रैल-2024, रविवार की सांय हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा उमा पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रमों में तरूण बालियान, कोमल चौधरी एंड पार्टी के सतपाल नागर, रिंकू चौधरी,सुमन चौधरी आदि कलाकार खास प्रस्तुतियां देंगे।

इस मौके पर कार्यक्रम मे गौरव नागर, केडी गुर्जर, रघुवीर जेसीबी वाले, अरविंद भाटी, सचिन भाटी,मदन शर्मा, भगत सिंह आर्य आदि मेला समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com